राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उतरांचल, उतराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शुक्रवार 21 नवम्बर 2025 वर्ष-8,अंक-264 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

दिल्ली के कई इलाकों में छाई मोटे कोहरे की चादर, एक्युआई 400 के पार

वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने खेल प्रतियोगिताएं स्थगित करने का किया आग्रह

नई दिल्ली दिल्ली में वायु प्रदूषण बढ़ता जा रहा है। हवा की कम स्पीड और गिरते तापमान के बीच दिल्ली में घना कोहरा और देर तक रहने वाली धुंध छाई हुई है। गुरुवार को दिल्ली के कई इलाकों में धुंध की मोटी परत छाई। दिल्ली का एक्यूआई 400 के करीब दर्ज किया गया, जो गंभीर श्रेणी में आता है। इंडिया गेट, राजपथ और राष्ट्रपति भवन घने कोहरे की चादर में लिपटे नजर आए। आईटीओ इलाके में एवरेज औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 399 रहा। इसके अलावा, तुगलकाबाद-महरौली-बदरपुर क्षेत्र में प्रदूषण की स्थिति और भी भयावह रही, जहां वायु गुणवत्ता सूचकांक 479 तक पहुंच गया। सड़कों और पार्कों में भी स्मॉग स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। प्रदूषण का प्रभाव सिर्फ दिल्ली तक सीमित नहीं रहा, बल्कि एनसीआर के शहर भी गंभीर स्थिति में हैं। फरीदाबाद में एक्यूआई 380, गुरुग्राम 385, नोएडा 372, ग्रेटर नोएडा 378 और गाजियाबाद 388 रिकॉर्ड किया गया। एक व्यक्ति ने हालात पर चिंता जताते हुए कहा कि सांस लेने में दिक्कत होती है और आंखों में जलन होती है। बाहर जाना ही पड़ता है। बाहर नहीं घूमेंगे तो स्थिति बिस्तर पर पड़े रहने की बन जाएगी। कुछ होना चाहिए, लेकिन कोई कुछ नहीं करता। इससे पहले दिल्ली में बिगड़ी आबोहवा के मद्देनजर वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने सरकार से नवंबर और दिसंबर के महीनों में तय शारीरिक खेल प्रतियोगिताओं को स्थगित करने का आग्रह किया, ताकि एयर पॉल्यूशन से स्टूडेंट्स की हेल्थ को बचाया जा सके।

यूपी शिक्षा सेवा चयन आयोग में अध्यक्ष पद की आवेदन प्रक्रिया शुरू, 10 तक करें आवेदन

लखनऊ यूपी शिक्षा सेवा चयन आयोग में खाली पड़े अध्यक्ष पद के लिए उच्च शिक्षा विभाग ने आवेदन प्रक्रिया शुरू की है। इच्छुक उम्मीदवार 10 दिसंबर शाम छह बजे तक तय प्रारूप में अपना आवेदन कर सकते हैं। अंतिम तिथि के बाद मिलने वाले आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा। उच्च शिक्षा विभाग के जारी विज्ञप्ति के मुताबिक उम्मीदवारों को पंजीकृत डाक से आवेदन भेजना होगा। आवेदन विशेष सचिव, उच्च शिक्षा अनुभाग-5, नवीन भवन, कक्ष संख्या-40, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ के नाम संबोधित किया जाए। इसके साथ सभी शैक्षिक व जरूरी अभिलेखों की स्पष्ट और स्वप्रमाणित प्रतियां लगानी अनिवार्य है। अध्यक्ष पद के लिए आवेदन करने की अर्हता तय की गई है। इसमें राज्य सरकार में प्रमुख सचिव या समकक्ष पद पर कार्यरत व सेवानिवृत्त, या किसी विधि द्वारा स्थापित विश्वविद्यालय के कुलपति रहे हों या विश्वविद्यालय में कम से कम 10 सात तक आचार्य रहे हों और उनके पास तीन साल का प्रशासनिक अनुभव हो, आवेदन कर सकते हैं। अध्यक्ष की कार्यावधि नियुक्ति की तिथि से तीन साल या 65 साल की आयु तक, इनमें से जो भी पहले हो तय है। पद के लिए 1,75,000 रुपए मासिक वेतन और राज्य सरकार द्वारा अनुमन्य सभी भत्ते देय होंगे। अधिसूचना में यह भी स्पष्ट किया है कि पद से संबंधित सभी विस्तृत अर्हताएं, कार्यावधि, परिलब्धियां और आवेदन पत्र का प्रारूप उच्च शिक्षा विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। बता दें आयोग की पहली अध्यक्ष प्रो. कीर्ति पांडेय के इस्तीफे के बाद 26 सितंबर से 21 अक्टूबर तक आवेदन लिए गए थे, जिनमें 67 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। स्क्रीनिंग के बाद 37 अभ्यर्थी योग्य मिले थे, लेकिन साक्षात्कार शुरू नहीं हो सका। अर्हता संबंधित अधिनियम में संशोधन के बाद नए सिरे से विज्ञापन जारी किए गए हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बेटे आएंगे भारत, आगरा में ताजमहल का करेंगे दीदार

नई दिल्ली अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बेटे डोनाल्ड ट्रंप जूनियर जल्द ही भारत के दौरे पर आने वाले हैं। विशेष विमान से वह आगरा पहुंचेंगे और विश्व प्रसिद्ध धरोहर ताजमहल का दीदार करेंगे। आगरा प्रशासन इस यात्रा को लेकर लगातार तैयारियों में जुटा हुआ है। डोनाल्ड ट्रंप जूनियर की यात्रा को लेकर सुरक्षा व्यवस्था और अधिक मजबूत की जा रही है, क्योंकि इस दौरान बड़ी संख्या में अंतरराष्ट्रीय मेहमान भी आगरा पहुंचने वाले हैं। नई दिल्ली में 19 से 24 नवंबर तक आयोजित होने वाले न्यायाधीशों के विश्व सम्मेलन में शामिल होने के लिए दुनिया भर से तमाम विशिष्ट हस्तियां भारत आ रही हैं। उनमें से कई लोग दिल्ली पहुंचने के बाद आगरा भी जाएंगे। डोनाल्ड ट्रंप जूनियर गुरुवार को विशेष विमान से दोपहर 1:30 बजे खेरिया हवाई अड्डे पर उतरेंगे। इसके बाद उनका काफिला सीधे ताजमहल के लिए रवाना होगा। इसके साथ ही करीब 40 देशों के 126 विशेष मेहमान भी ताजमहल देखने पहुंचेंगे। इनमें कुछ देशों के पूर्व राष्ट्रपति, पूर्व प्रधानमंत्री और कई न्यायाधीश शामिल हैं। याद दिला दें कि इससे पहले वर्ष 2020 में अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी पत्नी मेलानिया ट्रंप के साथ ताजमहल पहुंचे थे।

'गांधी के आंगन' में 'सुशासन बाबू' ने ली शपथ, 10वीं बार कहा- मैं नीतीश कुमार

पटना

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नाम पर यानी गांधी मैदान में आज नीतीश कुमार ने 10वीं बार मुख्यमंत्री के पद एवं गोपनीयता की शपथ ले ली। राज्यपाल अरिफ मोहम्मद खान ने उन्हे शपथ दिलाई। नीतीश कुमार देश में सुशासन बाबू के नाम से जाने जाते हैं।

शायद उनकी लोकप्रियता और बिहार की जनता का स्नेह का ही परिणाम है कि गांधी के आंगन(गांधी मैदान) में उन्होंने कहा कि मैं नीतीश कुमार ईश्वर की शपथ लेता हूं कि...!

दरअसल, बिहार के राज्यपाल अरिफ मोहम्मद खान ने नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद एंव गोपनीयता की शपथ दिलाई। नीतीश कुमार ने पद एंव गोपनीयता की शपथ लेते वक्त कहा, 'मैं नीतीश कुमारज ईश्वर की शपथ लेता हूं कि विधि द्वारा स्थाशपित भारत के संविधान के प्रति सच्ची श्रद्धा और निष्ठा रखूंगा। मैं मुख्यशमंत्री के रूप में अपने कर्तव्यों का श्रद्धापूर्वक और शुद्ध अंतः करण से निर्वहन करूंगा तथा मैं भय या पक्षपात, अनुराग या द्वेष के बिना सभी प्रकार के लोगों के प्रति संविधान और विधि के अनुसार न्यावय करूंगा। चुनाव में एनडीए की प्रचंड जीत के बाद यह शपथ समारोह एनडीए का शक्ति प्रदर्शन है। गांधी मैदान में नीतीश कुमार का '10 का दम' साफ नजर आया।

गांधी मैदान में उनकी मौजूदगी खूब रही, जिनके दम पर नीतीश कुमार आज 10वीं बार सीएम बने हैं। जी हां, हम महिलाओं की बात कर रहे हैं। गांधी मैदान में शपथ ग्रहण के दौरान पीएम मोदी के गमछे वाले अंदाज में महिलाएं लगातार स्टॉल लहराती दिखीं। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी रही।

इतना ही नहीं, एनडीए शासित राज्यों के सीएम और डिप्टी सीएम भी दिखे। एनडीए ने एक तरह से इस शपथ समारोह को शक्ति प्रदर्शन वाला राष्ट्रीय स्तर का आयोजन बना दिया।

दसवीं बार सत्ता संभालते हुए नीतीश ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वे बिहार के सबसे लंबे समय तक शासन करने वाले नेता हैं। इसमें उनके कोर वोटर महिलाओं का बड़ा योगदान है। जिस संख्या में महिलाओं ने उन्हें वोट किया, ठीक उसी संख्या में गांधी मैदान महिलाओं से खचाखच भरा था।

▶▶सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा डिप्टी सीएम

गांधी मैदान में आज बुधवार की सुबह 11:30 बजे शुरू हुए समारोह में राज्यपाल अरिफ मोहम्मद खान ने नीतीश के साथ बीजेपी के सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा को उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ दिलाई। उनके साथ 18 अन्य मंत्रियों ने भी पदभार ग्रहण किया। गांधी मैदान 2005, 2010 और 2015 में भी नीतीश के शपथ समारोह का साक्षी रहा है। नीतीश-मोदी के नारों से गांधी मैदान गुंजायमान था। एनडीए की 243 सीटों में से 202 सीटें मिली हैं।

▶▶मोदी गमछा ओढ़कर समारोह में शामिल हुए महिलाएं

इस शपथ ग्रहण समारोह में महिलाओं की भारी मौजूदगी खास बात रही। ये महिलाएं मोदी के गमछा वाले स्टाइल में अपना गमछा लहरा रही थीं। जीविका दीदियों की संख्या लाखों में थी, जो नीतीश सरकार की महिला सशक्तिकरण योजनाओं की लाभार्थी हैं और कोर वोटर। महिलाओं ने नीतीश के स्वागत में नारे लगाए, 'सुशासन बाबू जिंदाबाद' और 'महिला शक्ति की जय'। बिहार चुनाव में महिलाओं के वोट ने एनडीए को मजबूती दी, जो इस समारोह में साफ झलकी।

भारत के इंडस्ट्रियल और इजराइल के इनोवेशन इकोसिस्टम के बीच पूरकताओं को लेकर हुई बात

नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को जानकारी देते हुए बताया कि उन्होंने तेल अवीव में इजराइल के अर्थव्यवस्था एवं उद्योग मंत्री नीर बरकत के साथ द्विपक्षीय बैठक की।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, हमारे बीच इस बात को लेकर चर्चा हुई कि दोनों पक्षों के प्रतिस्पर्धी लाभ किस प्रकार हमारे देशों के व्यवसायों के बीच बेहतर सहयोग का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं।

केंद्रीय मंत्री ने पहली बार तेल अवीव पहुंचकर इंडिया-इजराइल बिजनेस समिट को भी संबोधित किया। इस समिट की थीम गेटवे टू ग्रोथ रखी गई थी।

केंद्रीय मंत्री गोयल ने एक्स पर लिखा, मेरे साथ इजराइल आया व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल उस विशाल क्षमता का प्रतीक है, जो कई प्रमुख क्षेत्रों में दोनों पक्षों के व्यवसायों के बीच अनलॉक होने जा रही है। इस कार्यक्रम में मैंने भारत के इंडस्ट्रियल इकोसिस्टम और इजराइल के इनोवेशन इकोसिस्टम के बीच पूरकताओं के बारे में बात की। इंडिया-इजराइल बिजनेस समिट में अपने संबोधन में केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा, हमारी विकास की दर उच्च और महंगाई दर कम बनी हुई है। हमारा फॉरेक्स रिजर्व लगभग 700 बिलियन डॉलर के ऑल-टाइम हाई पर है। बैंकिंग सिस्टम बहुत कम नॉन-परफॉर्मिंग एसेट्स के साथ मजबूत बना हुआ है। मुझे लगता है कि पूरे बैंकिंग सिस्टम का नेट नॉन-परफॉर्मिंग लोन 0.5 प्रतिशत से भी कम है। हर वर्ष लगातार 130 बिलियन डॉलर से अधिक के साथ इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश मजबूत और केंद्रित बना हुआ है।

'प्रोवोग इंडिया लिमिटेड' के पूर्व निदेशक समेत चार पर 90 करोड़ की धोखाधड़ी का मामला दर्ज

मुंबई

मुंबई पुलिस की ईओडब्ल्यू ने 'प्रोवोग इंडिया लिमिटेड' के एक पूर्व निदेशक एवं पूर्व कर्मचारी समेत चार लोगों के खिलाफ कंपनी से 90 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी करने का मामला दर्ज किया गया है। अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि मुंबई में स्थित 'प्रोवोग इंडिया लिमिटेड' पुरुषों एवं महिलाओं के परिधान और एक्सेसरीज समेत कई तरह के उत्पाद बनाती और बेचती है।

मीडिया रिपोर्ट में अधिकारी के हवाले से बताया गया है कि आरोपियों की पहचान कंपनी के पूर्व निदेशक राकेश रावत, उसके पूर्व कर्मचारी समीर खंडेलवाल, समाधान पेशवेर अमित गुप्ता, नए खरीदार अर्पित खंडेलवाल, प्लूटस इन्वेस्टमेंट्स एंड होल्डिंग लिमिटेड

के तौर पर की गई है। उन्होंने बताया कि आरोपियों ने षड्यंत्र रचकर कंपनी की संपत्तियों की कीमत कम करके दिखाई और नीलामी की प्रक्रिया में जानबूझकर दो साल की देरी की ताकि उसका बाजार मूल्य कम हो जाए और खंडेलवाल कंपनी खरीद सके।

उन्होंने कहा कि आरोपियों ने ग्राहकों से मिलने वाली रकम अपने फायदे के लिए नहीं ली। उन्होंने कहा कि इस संबंध में प्रोवोग इंडिया लिमिटेड के पूर्व प्रबंध निदेशक निखिल चतुर्वेदी ने शिकायत की थी। अधिकारी ने बताया कि यह अपराध 2018 और 2023 के बीच किया था। उन्होंने कहा कि आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात और आपराधिक साजिश के आरोप में मामला दर्ज किया गया है और जांच जारी है।

भारत की बढ़ेगी ताकत अमेरिका ने दी हाईटैक मिसाइल जैवलिन की मंजूरी

अमेरिका ने भारत के दो महत्वपूर्ण रक्षा सौदों को औपचारिक मंजूरी दे दी है।

नई दिल्ली

इनमें 155 मिमी जीपीएस-गाइडेड एक्सकैलिबर प्रोजेक्टाइल और विश्व प्रसिद्ध पोर्टेबल एंटी-टैंक मिसाइल सिस्टम जैवलिन शामिल हैं। कुल 92.8 मिलियन डॉलर (लगभग 775 करोड़ रुपये) के इन सौदों से भारत-अमेरिका रणनीतिक रक्षा साझेदारी को नया बल मिलेगा। इससे भारतीय सेना और अधिक ताकतवर होगी।

अमेरिकी डिफेंस सिक्योरिटी कोऑपरेशन एजेंसी (डीएससीए) ने बताया कि एक्सकैलिबर प्रोजेक्टाइल और संबंधित उपकरणों का सौदा 47.1 मिलियन डॉलर तथा जैवलिन कमांड लॉन्च यूनिट, मिसाइलें और सहायक उपकरणों का सौदा 45.7 मिलियन डॉलर का है। डीएससीए के बयान में कहा गया है कि ये बिक्री अमेरिका की विदेश नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा हितों को मजबूत करेगी तथा इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में एक प्रमुख रक्षा साझेदार के रूप में भारत की सैन्य क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि करेगी।

भारत ने 216 यूनिट एम982ए1 एक्सकैलिबर टैक्टिकल प्रोजेक्टाइल की खरीद का अनुरोध किया था। रेटियॉन (अब आरटीएक्स कॉर्पोरेशन) द्वारा निर्मित यह 155 मिमी स्मार्ट गोला जीपीएस और इनर्शियल नेविगेशन से लैस है। सामान्य तोपों से दागे जाने पर यह 40-50 किमी तक 10 मीटर से कम त्रुटि (सीईपी) के साथ लक्ष्य भेदता है। भारतीय सेना ने 2019-20 में पहली खेप खरीदकर इसे एम777 अल्ट्रालाइट हॉवित्जर के साथ लद्दाख और अरुणाचल में तैनात किया था। नई खेप से हाई एल्टीट्यूड क्षेत्रों में सटीक लंबी दूरी की मारक क्षमता और बढ़ेगी।

लॉकहीड मार्टिन और आरटीएक्स द्वारा संयुक्त रूप से विकसित जैवलिन दुनिया की सबसे उन्नत फायर एंड फॉरगेट पोर्टेबल एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल है। टॉप-अटैक क्षमता के साथ यह आधुनिक टैंकों के रिएक्टिव आर्मर को भी भेद सकती है। यूक्रेन युद्ध में इसने रूसी टी-90 और टी-14 आर्मटा टैंकों को बड़े पैमाने पर नष्ट कर अपनी प्रभावशीलता सिद्ध की है। भारतीय सेना 2010 से ही इसे सीमित संख्या में हाई एल्टीट्यूड

और मैदानी दोनों क्षेत्रों में उपयोग कर रही है। नई खरीद से पैदल सैनिकों की टैंक-विरोधी क्षमता में गुणात्मक सुधार होगा। अमेरिकी रक्षा विभाग का कहना है कि इन हथियार प्रणालियों को भारतीय सेना में एकीकरण करने में कोई तकनीकी कठिनाई नहीं आएगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मनोरंजन से मानसिक क्रांति तक: टीवी का बदलता चेहरा

(लेखक- योगेश कुमार गोयल)

टीवी का बदलता रूप और बहुआयामी प्रभाव

(विश्व टेलीविजन दिवस (21 नवम्बर) पर विशेष)

इलैक्ट्रॉनिक टेलीविजन का आविष्कार 1927 में हुआ माना जाता है और उसके करीब 32 साल बाद इलैक्ट्रॉनिक टेलीविजन ने भारत में पहला कदम रखा। भारत में टीवी का पहला प्रसारण प्रायोगिक तौर पर दिल्ली में दूरदर्शन केन्द्र की स्थापना के साथ 15 सितम्बर 1959 को शुरू किया गया।

'ब्लैक एंड व्हाइट' बुद्धू बक्सा (टेलीविजन) अपने सहज प्रस्तुतिकरण के दौर से गुजरते हुए कब आधुनिकता के साथ कदमताल करते हुए सूचना क्रांति का सबसे बड़ा हथियार और हर घर की अहम जरूरत बन गया, पता ही नहीं चला। यह दुनिया जहान की खबरें देने और राजनीतिक गतिविधियों की सूचनाएं उपलब्ध कराने के अलावा मनोरंजन, शिक्षा तथा समाज से जुड़ी महत्वपूर्ण सूचनाओं को उपलब्ध कराने, प्रमुख आर्थिक और सामाजिक मुद्दों पर ध्यान केन्द्रित करते हुए समूचे विश्व के ज्ञान में वृद्धि करने में मदद करने वाला एक सशक्त जनसंचार माध्यम है। यह संस्कृतियों और रीति-रिवाजों के आदान-प्रदान के रूप में मनोरंजन का सबसे सस्ता साधन है, जो तमाम महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान केन्द्रित करते हुए पूरी दुनिया के ज्ञान में असीम वृद्धि करने में मददगार साबित हो रहा है। मानव जीवन में टीवी की बढ़ती भूमिका तथा इसके सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं पर चर्चा करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 21 नवम्बर को 'विश्व टेलीविजन दिवस' मनाया जाता है।

संचार और वैश्वीकरण में टेलीविजन की बेहद महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए इसके महत्वों को रेखांकित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र द्वारा 'विश्व टेलीविजन दिवस' मनाने की जरूरत महसूस की गई और आम जिंदगी में टीवी के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए आखिरकार टीवी के आविष्कार के करीब सात दशक बाद वर्ष 1996 में 'विश्व टेलीविजन दिवस' मनाने की घोषणा कर दी गई। दरअसल टीवी के आविष्कार को सूचना के क्षेत्र में एक ऐसी क्रांति का आविष्कार माना गया है, जिसके जरिये समस्त दुनिया हमारे करीब रह सकती है और हम अब घर बैठे ही दुनिया के किसी भी कोने में होने वाली घटनाओं को लाइव देख सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र द्वारा पहली बार 21 तथा 22 नवम्बर 1996 को विश्व टेलीविजन मंच का आयोजन करते हुए टीवी के महत्व पर चर्चा करने के लिए मीडिया को प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराया गया था। उस दौरान विश्व को परिवर्तित करने में टीवी के योगदान और टीवी के विश्व पर पड़ने वाले प्रभावों के संदर्भ में व्यापक चर्चा की गई थी। उसी के बाद संयुक्त राष्ट्र महासभा में 17 दिसम्बर 1996 को एक प्रस्ताव पारित करते हुए प्रतिवर्ष 21 नवम्बर को विश्व टेलीविजन दिवस मनाने का निर्णय लिया गया और तभी से प्रतिवर्ष 21 नवम्बर को ही यह दिवस मनाया जाता रहा है।

इलैक्ट्रॉनिक टेलीविजन का आविष्कार 1927 में हुआ माना जाता है और उसके करीब 32 साल बाद इलैक्ट्रॉनिक टेलीविजन ने भारत में पहला कदम रखा। भारत में टीवी का पहला प्रसारण प्रायोगिक तौर पर दिल्ली में दूरदर्शन केन्द्र की स्थापना के साथ 15 सितम्बर 1959 को शुरू किया गया। उस समय टीवी पर सप्ताह में केवल तीन दिन ही मात्र तीस-तीस मिनट के कार्यक्रम आते थे लेकिन इतने कम समय के बेहद सीमित कार्यक्रमों के बावजूद भी टीवी के प्रति लोगों का लगाव बढ़ता गया और यह बहुत जल्द लोगों की आदत का अहम हिस्सा बन गया। दूरदर्शन का व्यापक प्रसार हुआ वर्ष 1982 में दिल्ली में हुए एशियाई खेलों के आयोजन के प्रसारण के बाद। दूरदर्शन द्वारा अपना दूसरा चैनल 26 जनवरी 1993 को शुरू किया गया और उसी के बाद दूरदर्शन का पहला चैनल डीडी-1 और दूसरा नया चैनल डीडी-2 के नाम से लोकप्रिय हो गया, जिसे बाद में 'डीडी मैट्रो' नाम दिया गया। भले ही टीवी के आविष्कार के इन दशकों में इसका स्वरूप और तकनीक पूरी तरह बदल चुकी है लेकिन इसके कार्य करने का मूलभूत सिद्धांत अभी भी पहले जैसा ही है।

हालांकि किसी भी वस्तु के अच्छे और बुरे दो अलग-अलग पहलू भी हो सकते हैं। कुछ ऐसा ही सूचना एवं संचार क्रांति के अहम माध्यम टीवी के मामले में भी है। एक ओर जहां यह मनोरंजन और ज्ञान का सबसे बड़ा स्रोत बन चुका है और नवीनतम सूचनाएं प्रदान करते हुए समाज पर सकारात्मक प्रभाव डालता है, वहीं इसके नकारात्मक प्रभाव भी सामने आते रहे हैं।

टेलीविजन की ही वजह से ज्ञान, विज्ञान, मनोरंजन, शिक्षा, चिकित्सा इत्यादि तमाम क्षेत्रों में बच्चों से लेकर बड़ों तक की सभी जिज्ञासाएं शांत होती हैं। अगर नकारात्मक पहलुओं की बात करें तो टीवी के बढ़ते प्रचलन के साथ-साथ इस पर प्रदर्शित होते अश्लील, हिंसात्मक, अंधविश्वासों का बीजारोपण करने तथा भय पैदा करने वाले कार्यक्रमों के कारण हमारी संस्कृति, आस्था और नैतिक मूल्य बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। टीवी पर विभिन्न कार्यक्रमों में लगातार हत्या और बलात्कार जैसे दृश्य दिखाने से बच्चों का मानसिक

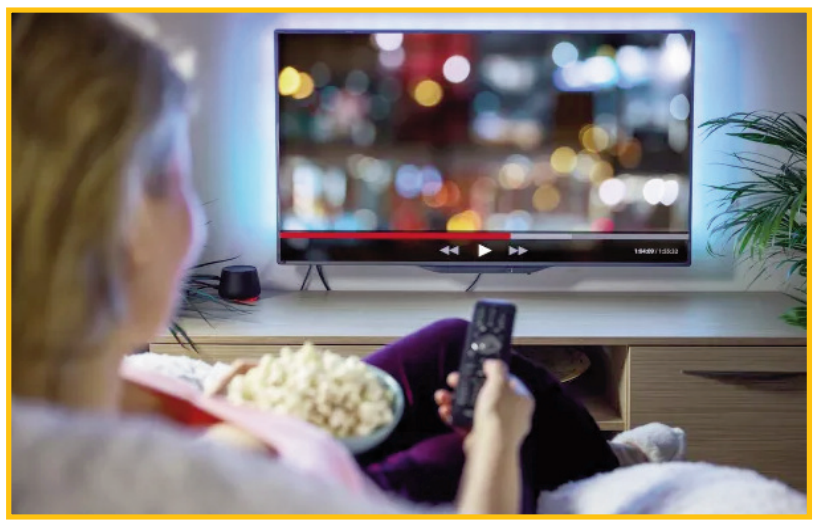

विकास प्रभावित होता है। मौजूदा समय में टीवी मीडिया की सबसे प्रमुख ताकत के रूप में उभर रहा है और मीडिया का हमारे जीवन में इस कदर हस्तक्षेप बढ़ गया है कि टीवी के वास्तविक महत्व के बारे में अब लोगों को पर्याप्त जानकारी ही नहीं मिल पाती।

देश में जहां दूरदर्शन की शुरूआत के बाद दशकों तक दूरदर्शन के ही चैनल प्रसारित होते रहे, वहीं 1990 के दशक में निजी चैनल शुरू होने की इजाजत मिलने के साथ एक नई सूचना क्रांति का आगाज हुआ। इन तीन दशकों में निजी चैनलों को लगातार मिलते लाइसेंस के चलते अब देशभर में टीवी पर करीब एक हजार चैनल प्रसारित होते हैं। इससे दूरदर्शन जैसे माध्यम कमजोर हो गए हैं और अब हम एक ऐसे दौर में जी रहे हैं, जहां सूचना व संचार माध्यमों ने हमें इस कदर अपना गुलाम बना लिया है कि इनके अभाव में जीवन की कल्पना ही नहीं कर सकते। हालांकि ढ़ेर सारे टीवी चैनलों की बदौलत जहां ज्ञान, विज्ञान, शिक्षा, सूचना आदि के स्रोत बढ़े हैं, वहीं चिंताजनक स्थिति यह है कि टीआरपी की बढ़ती होड़ में बहुत से निजी टीवी चैनल जिस प्रकार गलाकाट प्रतिद्वंद्विता के चलते समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों की अनदेखी करते हुए दर्शकों के समक्ष कुछ भी परोसने को तैयार रहते हैं, उससे युवा पीढ़ी दिशाहीन हो रही है और जनमानस में गलत संदेशों का बीजारोपण होता है। इसीलिए मांग उठने लगी है कि दिशाहीन टीवी कार्यक्रमों के नकारात्मक प्रभावों पर अंकुश लगाने और अपसंस्कृति के प्रसार को रोकने के लिए इन पर कुछ कड़े कानूनी प्रतिबंधों का प्रावधान होना चाहिए।

(लेखक 35 वर्षों से पत्रकारिता में निरन्तर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

संपादकीय

नक्सल के नासूर पर प्रहार

इसमें दो राय नहीं है कि शीर्ष माओवादी कमांडर हिडमा का मुठभेड़ में मारा जाना वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ देश की दशकों पुरानी लड़ाई में निर्णायक सफलताओं में से एक है। संगठन के शीर्ष नेतृत्व पर प्रहार से देश नक्सली हिंसा से मुक्ति की राह में कामयाबी की तरफ बढ़ा है। लगभग तीन दशकों तक हिडमा बस्तर में चौंकाने वाली रणनीतियों से बड़े हमलों को अंजाम देता रहा है। बताते हैं कि वह सुरक्षा बलों और नागरिकों पर हुए सबसे घातक हमलों का मास्टरमाइंड रहा है। छत्तीसगढ़ और आंध्र प्रदेश की सीमा पर सुरक्षा बलों द्वारा हिडमा व उसकी पत्नी समेत छह नक्सलियों को मार गिराना केंद्र सरकार की उस रणनीति की सफलता को दर्शाता है, जिसमें 31 मार्च 2026 तक देश को नक्सलवाद से मुक्त करने का लक्ष्य तय किया गया था। इसी साल मार्च में बीजापुर में जब 50 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया था तब गृहमंत्री अमित शाह ने उनके फैसले का स्वागत करते हुए सभी का पुनर्वास करके, उन्हें राष्ट्र की मुख्यधारा से जोड़ने की बात कही थी। निस्संदेह, हिडमा का सफाया नक्सलवादी संचालन ढांचे के खात्मे और भारत में उग्रवाद विरोधी तंत्र की एक महत्वपूर्ण जीत का संकेत है। गुरिल्ला आर्मी की बटालियन-1 के कमांडर के रूप में हिडमा का उदय- वंचित युवाओं की भर्ती करने, उन्हें प्रशिक्षित करने और हथियार बनाने की उग्रवादी क्षमता का प्रतीक रहा है। उसकी गिनती सबसे खूंखार नक्सलवादी कमांडर के रूप में होती रही है। अब वर्ष 2010 का दंतेवाड़ा हमला हो या 2013 का झीरम घाटी हमला, पिछले बीस वर्षों में हुए लगभग सभी बड़े नक्सली हमलों के पीछे हिडमा की रणनीति बतायी जाती है। वहीं दूसरी ओर इन हमलों ने भारत की सुरक्षा रणनीति को नया रूप दिया। इससे पहले इसी साल मई में सुरक्षाबलों ने माओवादी संगठन के जनरल सक्रेटरी बसवराजू को भी मार गिराया था। वहीं इस साल विभिन्न मुठभेड़ों में तीन सौ से अधिक नक्सली मारे जाने से नक्सलवाद छोटे इलाके में सिमटा है। निस्संदेह, सुरक्षा बलों की तत्परता और सुनियोजित अभियानों से नक्सलवाद कमजोर जरूर हुआ है, लेकिन जरूरत उन परिस्थितियों को दूर करने की है, जिन्होंने नक्सलवाद को जन्म दिया। आवश्यकता उन मुद्दों के समाधान की है, जिसके चलते माओवाद को जड़ें जमाने का मौका मिला। बस्तर का अधिकांश क्षेत्र लगातार विकास की विसंगतियों, खनन से संसाधनों के मनमाने दोहन, बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के कारण विस्थापन व जनजातीय समुदायों और राज्य के बीच विश्वास की कमी से जूझता रहा है। अभी भी आदिवासियों की बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं, गुणवत्तापूर्ण स्कूलों, भूमि अभिलेखों और कल्याणकारी योजनाओं तक पूरी तरह पहुंच नहीं बन पायी है। दूर-दराज के कई गांवों में ग्रामीणों को प्रशासन का अनुभव नागरिक संस्थानों के बजाय सुरक्षा बलों की मौजूदगी से ही होता है। दरअसल, विकास की नीतियों से जुड़े वायदों और हकीकत का अंतर ही आदिवासियों में असंतोष को बढ़ाता है। भले ही माओवाद का प्रभाव कम हो जाए। वास्तव में जब तक शासन जिम्मेदार, जवाबदेह और सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील नहीं बन पाता, तब तक माओवादी संस्कृति के पनपने की आशंकाएं बनी रहेंगी। दरअसल,क्षेत्र में तंत्र की अनुपस्थिति ने ही चरमपंथियों को आदिवासियों के रक्षक के रूप में पेश करने का मौका दिया। निस्संदेह, सुरक्षा बलों ने माओवाद के खात्मे की दिशा में बड़ा काम कर दिया है, अब राज्यों के पास इस रणनीतिक जीत को स्थायी शांति में बदलने का अच्छा अवसर है। इसकी प्राप्ति के लिये यह सुनिश्चित करना जरूरी होगा कि सड़कें, स्कूल, नागरिक अधिकार व आजीविका बस्तर के वनाच्छादित इलाकों तक पहुंचे। तभी देश नक्सली हिंसा के दंश से भविष्य में मुक्त रह पाएगा।

दूरदर्शन से स्मार्ट-टैलीविज़न तक: एक सदी की तकनीकी यात्रा

(लेखक - दिलीप कुमार पाठक)

विश्व टैलीविजन (दूरदर्शन) दिवस 21 नवंबर

आज दुनिया स्मार्टफोन के दौर में पहुँच गई है जहां 5त्न की स्पीड से इंटर्नेट लोगों के हाथों में पहुँच गया है द्य बच्चे, वयस्क, यहां तक कि बुजुर्गों के हाथों में भी अब भरपूर इंटर्नेट की पहुँच ने संचार एवं मनोरंजन को और भी सुगम बना दिया है द्य इससे इंकार नहीं किया जा सकता कि समय समय पर लोगों का इंट्रेस्ट बदलता रहता है, परंतु आज का दिन टैलीविजन को समर्पित हैं, जहां आज़ हम टेलिविजन का महत्व, इतिहास, एवं प्रभाव का अध्ययन करेंगे द्य

अंग्रेजी का शब्द टैलीविजन ग्रीक शब्द 'टैली' और लैटिन शब्द 'विजन' से मिलकर बना है। 'टैली' का अर्थ है 'दूरी पर' तथा 'विजन' का अर्थ है 'देखना' अर्थात जो दूर की चीजों का दर्शन कराए, वह टैलीविजन। आज दूर घटित घटनाओं को घर बैठे देख पाना टैलीविजन का ही कमाल है। इससे हम घर में बैठ कर दुनिया के किसी भी कोने में घटी घटना के प्रत्यक्षदर्शी बन जाते हैं।

यह संचार का सर्वाधिक लोकप्रिय माध्यम है जिसका आविष्कार जॉन लोगी बेयर्ड ने 1925 में लंदन में किया था। जॉन बचपन के दिनों में बीमार रहा करते थे, इसलिए स्कूल नहीं जा पाते थे। 13 अगस्त, 1888 को स्कॉटलैंड में पैदा हुए जॉन को टैलीफोन का इतना क्रेज था कि 12 वर्ष की उम्र में उन्होंने खुद ही अपना टैलीफोन बना लिया। वह सोचा करते थे कि एक दिन ऐसा भी आएगा, जब लोग हवा के माध्यम से तस्वीरें भेज सकेंगे। उन्होंने वर्ष 1924 में बक्से, बिस्कुट के टिन, सिलाई की सूई, कार्ड और पंखे की मोटर का इस्तेमाल कर पहला टैलीविजन बनाया था। इसके बाद दुनिया के पहले कामकाजी टैलीविजन का निर्माण 1927 में फिलो फार्न्सवर्थ ने किया, जिसे 1 सितम्बर, 1928 को जनता के सामने पेश किया गया। जॉन लोगी बेयर्ड ने कलर टैलीविजन का आविष्कार 1928 में किया। पब्लिक ब्रॉडकास्टिंग 1940 में हुई और लोगों ने 1960 के दशक में उसे अपनाना शुरू कर दिया था। टैलीविजन शब्द का सर्वप्रथम उपयोग रूसी साइंटिस्ट कांस्टेंटिन परस्कायल ने किया। टैलीविजन से विश्व पर पड़ने वाले प्रभाव और उसके बढ़ते योगदान से होने वाले परिवर्तन को ध्यान में रखकर 17 दिसम्बर, 1996 को सयुक्त राष्ट्र सभा ने 21 नवम्बर को वर्ल्ड टैलीविजन डे के रूप मनाने की घोषणा की।

वैसे तो अमरीका में 1941 से ही टैलीविजन लांच हो गया था जो ब्लैक एंड व्हाइट था। इसके एक दशक बाद 1953 में अमरीका में ही सबसे पहले रंगीन टैलीविजन की शुरूआत हुई। टैलीविजन के रिमोट कंट्रोल का आविष्कार यूजीन पोली ने किया था। उनका जन्म 1915 में शिकागो में हुआ था। वह जैनिथ इलैक्ट्रॉनिक्स में काम करते थे। वर्ष 1955 में उन्होंने फ्लैश मैटिक का आविष्कार किया था।

वहीं भारत में पहली बार टैलीविजन की शुरूआत 15 सितम्बर, 1959 को हुई। इस ब्लैक एंड व्हाइट स्क्रीन वाले टी.वी. का प्रारंभ में उपयोग शिक्षा एवं ग्रामीण विकास को ध्यान में रखकर किया गया। आरंभ में इसका नाम 'टैलीविजन इंडिया' रखा गया। 1975 में 'टैलीविजन इंडिया' का नाम बदलकर 'दूरदर्शन' कर दिया गया, जो इतना लोकप्रिय हुआ कि यह नाम टी.वी. का ही पर्याय बन गया।

11 जुलाई, 1962 से सैटेलाइट प्रसारण की शुरूआत हुई, जिससे अमरीका और यूरोप के बीच लाइव कार्यक्रमों का आदान-प्रदान हुआ। 15 अगस्त, 1965 को दूरदर्शन से सर्वप्रथम समाचार बुलेटिन की शुरूआत हुई। अगस्त 1975 में भारत में सैटेलाइट की सहायता से 2400 गांवों में सेवा आरंभ की गई। 15 अगस्त, 1982 को भारत की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कर कमलों से कलर टैलीविजन की शुरूआत हुई। भारत में दूरदर्शन के विकास के साथ-साथ धारावाहिकों के प्रकाशन, उनके प्रस्तुतीकरण में

काफी तेजी आई। ब्लैक एंड व्हाइट टी.वी. से कलर टी.वी., केबल टी.वी. से सैटेलाइट ब्रॉडकास्टिंग से इस फील्ड में अभूतपूर्व विकास हुआ। शुरूआत में कई प्रोग्राम एक निश्चित दिन, निश्चित समय, निश्चित शीर्षक के अंतर्गत प्रसारित होने लगे। तब दर्शक टी.वी. देखने के लिए अत्यधिक उत्साहित रहते और कार्यक्रम तथा फिल्में देखने के लिए सभी में होड़ रहती। टी.वी. हमेशा से मनोरंजन का सबसे सस्ता साधन रहा है। हालांकि, तकनीकी परिवर्तन से मोटा भारी-भरकम टी.वी. हल्का तथा पतला होता चला गया और स्क्रीन का आकार बढ़ता चला गया। आज एल.ई.डी. से लेकर प्लाज्मा स्क्रीन तक टी.वी. के ही रूप हैं जो अब इंटरनैट के साथ जुड़ कर स्मार्ट भी बन चुके हैं। टैलीविजन बनाने वालों को पता है कि स्मार्टफोन के दौर में अगर ज़माने के साथ कदमताल करना है तो उसके साथ खुद को भी स्मार्ट बनाना पड़ेगा, यही कारण है कि श्वेत श्याम स्क्रीन से होते हुए टैलीविजन ने स्मार्ट टीवी तक का सफर तय कर लिया है, और यह एतिहासिक है .

(लेखक पत्रकार हैं)

(यह लेखक के व्य क्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

सेवाभाव ही सर्वोपरि

एकनाथ देवगढ़ राज्य के दीवान जनार्दन स्वामी के शिष्य। एक बार गुरू देव ने एकनाथ को राजदरबार का हिसाब करने को कहा। एकनाथ बहि-खाता लेकर हिसाब करने बैठ गये। दूसरे ही दिन सुबह हिसाब राजदरबार में देना था। सारा दिन हिसाब लिखने और करने में बीत गया। दिन में बैठे कब रात हो गयी उन्हें पता ही न चला। सेवक दीपक जलाकर चला गया। हिसाब में एक पायी की भूल आ रही था। आधी रात बीत गयी मगर भूल पकड़ में ही नहीं आ रही थी। संत जी हिसाब में खोये रहे। भोर फटते ही गुरू देव एकनाथ के कमरे में आए तो सेत जी को हिसाब में खोये पाया।

बहियों पर अंधेरा होने पर भी एकनाथ हिसाब में लगे रहे। इतने में एक पायी की भूल पकड़ में आ गयी। एकनाथ खुशी से चिल्ला पड़े,मिल गयी,मिल गयी। गुरू देव ने पूछा,क्या मिल गया बेटा? एकनाथ विस्मय से बोले कि हिसाब में एक पायी की भूल पकड़ में नहीं आ रही थी वह मिल गयी है। लाखों के हिसाब में एक पायी की भूल के लिए रात भर का जागरण। गुरू देव की सेवा में इतनी लगन और दृढ़ निश्चय

देखकर गुरू देव के दिल से गुरूकृपा बह निकली क्योंकि उन्हें ज्ञानामृत की वर्षा करने के लिए योग्य अधिकारी जो मिल गया था।

विचार मंथन

यूक्रेन-रूस टकराव में अमेरिकी हथियारों की भूमिका

(लेखक- सनत जैन)

युद्ध कभी भी सभ्य समाज की पहचान नहीं होती और न ही युद्ध किसी सभ्य समाज की स्थापना में सहायक सिद्ध हो सकता है। मानव जनित समस्याओं का हल आपसी बातचीत से निकालना सभ्य समाज की देन है। इसके विपरीत स्वयं के फैसलों और मन-मर्जी को मनवाने के लिए क्रूरता की हदें पार करते हुए किसी पर युद्ध थोप देना उचित नहीं कहा जा सकता है। इससे भी ज्यादा निकृष्ट कार्य युद्ध के लिए किसी को प्रेरित करना या किसी के संबंधों को खराब कर अपना उल्लू सीधा करना होता है। अब जबकि यूक्रेन और रुस के बीच युद्ध अपने तीसरे वर्ष में प्रवेश कर चुका है और अब जबकि यह संघर्ष केवल दो देशों के बीच की सीमित लड़ाई न रहकर वैश्विक सामरिक प्रतिस्पर्धा का मंच बन चुका है। ऐसे में संपूर्ण दुनिया के शांतिप्रिय देशों के लिए यह युद्ध चिंता का विषय बन जाना उचित ही है। दरअसल हाल की घटना, जिसमें रूस ने दावा किया कि उसने अमेरिकी मिसाइलों को हवा में ही मार गिराया और यूक्रेन की लॉन्च साइट को नष्ट कर दिया है। इससे यूक्रेन को जंगी सामान मुहैया कराने और अन्य अमेरिकी सहयोग का खुलासा हुआ है। इसके साथ ही इस घटना और खुलासे ने युद्ध में इस्तेमाल आधुनिक तकनीक, खुफिया क्षमता और अंतरराष्ट्रीय हथियार पर आधारित राजनीति के महत्व को भी उजागर कर दिया है। रूसी रक्षा मंत्रालय का कहना है, कि यूक्रेन ने खार्कोव क्षेत्र से अमेरिका द्वारा निर्मित चार एटीएसीएमएस बैलिस्टिक मिसाइलें रूसी शहर वोरोनेज की ओर दागीं। यह मिसाइल लगभग 300 किलोमीटर की रेंज और अत्याधिक तेज गति के कारण यूक्रेन को रूस की गहराई तक प्रहार करने की क्षमता देती हैं। अमेरिका ने हाल ही में यूक्रेन को यह उन्नत मिसाइलें सौंपने का फैसला लिया था ताकि यूक्रेन रूसी सैन्य ठिकानों पर प्रभावी जवाब दे सके। अब विचार करने वाली बात तो यह है कि एक तरफ अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दुनियां से कहते नहीं थक रहे कि वो शांति के पुजारी हैं और उन्हें ही शांति नोबल पुरस्कार मिलना चाहिए, जो इस बार तो नहीं मिल सका। इसके लिए उन्होंने बारंबार दावा किया कि भारत-पाकिस्तान के बीच संभावित युद्ध को रोकने में उन्होंने ही मदद की। इसके अलावा उन्होंने दावा किया कि हमास और इजराइल के बीच शांति उन्होंने ही कराई और फिर रुस व यूक्रेन युद्ध रोकने के प्रयासों का भी बढ़-चढ़कर बखान करते देखे जा रहे हैं। ऐसे में सवाल यही किया जा रहा है कि आखिर जब शांति की बात की जा रही है तो जंग को आगे बढ़ाने के लिए युद्ध सामग्री क्योंकर दी जा रही है? यह उनकी कथनी और करनी में अंतर को प्रदर्शित करता है।

बहरहाल रूस का दावा है कि उसकी बहु-स्तरीय एयर डिफेंस प्रणाली ने मिसाइल हमले को शुरू होने से पहले ही नाकाम कर दिया। रूसी रेकॉन फ्लाइट ने लॉन्चिंग की गतिविधि को पहचान लिया और फिर एस-400 ट्रायंफ तथा पंतसिर-एस1 सिस्टम ने हवा में ही चारों मिसाइलों को नष्ट कर दिया। रूस का कहना है कि जासूसी, रोकथाम और जवाबी कार्रवाई, तीनों स्तरों पर उसकी सेनाओं ने समन्वित और प्रभावी काम किया। यहां बताते चलें कि एस-400 दुनिया के सबसे उन्नत एयर डिफेंस सिस्टम में माना जाता है, जो 400 किमी तक के लक्ष्यों को इंटरसेप्ट कर सकता है। पंतसिर-एस1 निकट दूरी की सुरक्षा देता है और दोनों मिलकर बहु-स्तरीय सुरक्षा तैयार करते हैं। कई देशों जिनमें भारत, तुर्की, चीन शामिल हैं ने भी इस प्रणाली को खरीदा है, जो इसकी सामरिक प्रभावशीलता को दर्शाता है। यदि रूस का दावा सही है, तो यह सिस्टम न केवल बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस में बल्कि वास्तविक युद्ध परिस्थितियों में भी प्रभावशाली साबित हो रहा है। लॉन्च साइट को नष्ट करने का दावा भी महत्वपूर्ण है। यह अलग बात है कि यूक्रेन ने इस घटना पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। युद्ध के इतिहास में अक्सर दावे और प्रतिदावे समय के साथ स्पष्ट होते हैं, इसलिए स्वतंत्र पुष्टि का इंतजार आवश्यक है। फिर भी, यह घटना इस बढ़ते संघर्ष में प्रायोजक देशों की भूमिका को भी सामने लाती है। अमेरिका लंबे समय से विभिन्न देशों को सैन्य तकनीक उपलब्ध कराता आया है, इज़राइल, सऊदी अरब, पाकिस्तान और अन्य सहयोगी देश इसकी सूची में शामिल हैं। भारत भी इस कड़ी में नया नहीं है। हाल ही में अमेरिका ने भारत को 100 जेवलिन एंटी-टैंक सिस्टम और 216 एक्सकैलिबर स्मार्ट आर्टिलरी प्रोजेक्टाइल बेचने का निर्णय लिया। लगभग 775 करोड़ रुपये की इस डील को अमेरिकी कांग्रेस से मंजूरी मिल चुकी है। जहां तक रुस और यूक्रेन जंग की बात है तो यूक्रेन की सैन्य आपूर्ति अब भी मुख्यत: पश्चिमी देशों पर निर्भर है। इन देशों के समर्थन के बिना यूक्रेन रूस की विशाल सैन्य क्षमता का मुकाबला नहीं कर सकता।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आईटीसी ने सीएसई से अपने शेयर स्वैच्छिक रूप से हटाए

आईटीसी के शेयर अब भी एनएसई और बीएसई पर सूचीबद्ध

नई दिल्ली विविध कारोबार करने वाली कंपनी आईटीसी ने कलकत्ता स्टॉक एक्सचेंज (सीएसई) से अपने शेयर को स्वैच्छिक रूप से हटाने की प्रक्रिया पूरी कर ली है। सीएसई ने 20 नवंबर से आईटीसी के साधारण शेयर को अपनी आधिकारिक एक्सचेंज सूची से हटाने की मंजूरी दी। 30 अक्टूबर 2025 को आईटीसी के निदेशक मंडल ने सेबी (शेयर डीलिस्टिंग) विनियम, 2021 के तहत सीएसई से शेयर हटाने का प्रस्ताव स्वीकृत किया। इसके बाद कंपनी ने सीएसई को पत्र भेजा और 19 नवंबर को स्वैच्छिक डीलिस्टिंग की मंजूरी मिल गई। आईटीसी के शेयर अब भी नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर सूचीबद्ध हैं, जिससे निवेशक वहां शेयर खरीद और बेच सकते हैं।

पैजसन एग्रो इंडिया को आईपीओ से धन जुटाने बीएसई से मिली मंजूरी

नई दिल्ली पैजसन एग्रो इंडिया को एसएमई श्रेणी में आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये धन जुटाने के लिए बीएसई लिमिटेड से सैद्धांतिक मंजूरी मिल गई है। आईपीओ दस्तावेजों (डीआरएचपी) के अनुसार यह 10 रुपये प्रति शेयर अंकित मूल्य वाले 63.09 लाख से अधिक शेयर के नए निर्गम पर आधारित है। नए निर्गम से हासिल 57 करोड़ रुपये की आय का उपयोग आंध्र प्रदेश के विजयनगरम में दूसरा काजू प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित करने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। कंपनी के शेयर को बीएसई के एसएमई मंच पर सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है। पैजसन एग्रो इंडिया घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय बाजारों के लिए कच्चे काजू को खाने योग्य गिरी में बदलने का काम करती है। कंपनी का गठन 2021 में किया गया था।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले से बड़े प्रोजेक्ट्स को राहत

पोस्ट फैक्टो पर्यावरण मंजूरी पर विशेषज्ञों की सहमति

नई दिल्ली उच्चतम न्यायालय के पोस्ट-फैक्टो यानी परियोजना शुरू अथवा पूरी होने के बाद पर्यावरण मंजूरी को प्रतिबंधित करने का फैसला बदलने को कानून विशेषज्ञों ने उचित बताया है। उनका मानना है कि इससे रियल एस्टेट, बुनियादी ढांचा, सार्वजनिक उपक्रमों की बड़ी परियोजनाओं और खनन क्षेत्र को बड़ी राहत मिलेगी। कानून फर्म एसकेवी लॉ ऑफिसेस में एक भागीदार ने इसे महत्त्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि इससे 2017 और 2021 की सरकारी अधिसूचनाएं पुनः प्रभावी हो गई हैं, जो पूर्वव्यापी पर्यावरण मंजूरी की अनुमति देती थीं। उन्होंने कहा` कि जिन परियोजनाओं पर निकट भविष्य में संकट के बादल छाए थे, वे अब दोबारा अपने आप आगे बढ़ सकती हैं। उन्होंने कहा कि रियल एस्टेट और निर्माण परियोजनाओं आदि पर इस फैसले के दूरगामी परिणाम होंगे। उन्होंने कहा कि एम्स अस्पतालों और ग्रीनफील्ड हवाई अड्डों सहित प्रमुख सार्वजनिक इन्फ्रा को इससे काफी फायदा होगा।

अप्रैल-अक्टूबर में भारत का तेल-गैस आयात बिल 12 फीसदी घटा

नई दिल्ली भारत का तेल और गैस का शुद्ध आयात बिल चालू वित्त वर्ष के अप्रैल-अक्टूबर में 12 प्रतिशत कम हो गया। पेट्रोलियम योजना व विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी) से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार यह गिरावट कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और प्राकृतिक गैस की मांग में गिरावट के बीच आई है। वित्त वर्ष 2026 के पहले सात महीनों में इन दोनों का आयात बिल घटकर 69.9 अरब डॉलर रह गया जबकि यह बीते साल की इस अवधि में 75.9 अरब डॉलर था। भारत घरेलू कच्चे तेल के लिए 90 प्रतिशत और प्राकृतिक गैस के लिए 50 प्रतिशत आयात करता है। भारत ने इस वर्ष कच्चे तेल का आयात पहले जितना किया था। लेकिन कच्चे तेल की कीमतें गिरने के कारण बचत हुई। अप्रैल-अक्टूबर के दौरान कच्चे तेल का बिल 13 प्रतिशत घटकर 71.2 अरब डॉलर रह गया जबकि पिछले वर्ष यह 81.9 अरब डॉलर था।

आरबीआई दिसंबर में ब्याज दरों में 25 आधार अंक की कटौती कर सकता है

नई दिल्ली

दुनिया की दिग्गज वित्तीय कंपनियों में से एक मॉर्गन स्टेनली का मानना है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) दिसंबर में ब्याज दरों में 25 आधार अंक की कटौती कर सकता है, जिससें रेपो रेट घटकर 5.25 प्रतिशत हो जाएगी। आरबीआई की मौद्रिक नीति कमेटी (एमपीसी) की बैठक 3-5 दिसंबर के बीच प्रस्तावित है और इसमें ब्याज दरों को लेकर समीक्षा की जाएगी। मॉर्गन स्टेनली का कहना है कि मौद्रिक नीति का रुख विवेकपूर्ण बना रहने की उम्मीद है। हालांकि, इस कटौती के बाद केंद्रीय बैंक आगे के फैसले लेने के लिए डेटा पर निर्भर हो सकता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि आरबीआई द्वारा ब्याज दरों, तरलता की स्थिति और नियामक उपायों को शामिल करते हुए अपने त्रि-आयामी सहजता चक्र का मूल्यांकन करते समय वेट एंड वॉच की स्थिति अपनाने की उम्मीद है। इससे आरबीआई को भविष्य में कोई भी कदम उठाने से पहले यह आकलन करने का अवसर मिलेगा कि ये बदलाव घरेलू विकास पैटर्न और मुद्रास्फीति संकेतकों के साथ कैसे तालमेल बिठाते हैं।

देश की राजकोषीय नीति के संबंध में, रिपोर्ट में कहा गया है कि सरकार राजकोषीय व्यावहारिकता का पालन जारी रखेगी, पूंजीगत व्यय को प्राथमिकता देते हुए क्रमिक समेकन पर ध्यान केंद्रित करेगी। साथ ही कहा कि मध्यम अवधि के आर्थिक विस्तार को बनाए रखने के लिए ये उपाय आवश्यक हैं।

एचडीएफसी बैंक भारत का सबसे कीमती ब्रांड बना

30 मिनट डिजिटल ऑटोलोन जैसी तेज सेवाओं ने बैंक की पहचान मजबूत की

मुंबई साल 2025 में एचडीएफसी बैंक ने 44.9 अरब डॉलर (37 लाख करोड़) की ब्रांड वैल्यू के साथ टीसीएस को पछाड़ते हुए भारत का सबसे कीमती ब्रांड बनकर शीर्ष स्थान हासिल किया। 2014-2021 तक बैंक टॉप पर था, 2022 में टीसीएस आगे निकला था। पिछले दशक में बैंक की ब्रांड वैल्यू में 377 फीसदी की वृद्धि हुई। एचडीएफसी लिमिटेड के साथ मर्जर और विजिल आंटी जैसे फ्रॉड-प्रोटेक्शन अभियान ने ग्राहकों का भरोसा बढ़ाया। 30 मिनट डिजिटल ऑटोलोन जैसी तेज सेवाओं ने बैंक की पहचान मजबूत की। भारत के टॉप 100 ब्रांड्स की कुल वैल्यू अब 523.5 अरब डॉलर तक पहुंच गई है। इस साल 34 ब्रांड्स की वैल्यू बढ़ी, लेकिन कुल वृद्धि दर पिछले साल की तुलना में धीमी रही। विशेषज्ञों के अनुसार, कंपनियों को अब ब्रांड में अधिक निवेश करना जरूरी है।

क्रिप्टो में गिरावट से निवेशकों के डूबे एक ट्रिलियन डॉलर

सात महीनों के अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंची

मुंबई क्रिप्टो बाजार में लगातार गिरावट देखी जा रही है। दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन सात महीनों के अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई। लगातार गिरावट की वजह से निवेशकों को एक ट्रिलियन डॉलर से अधिक का झटका लगा है। न्यूयॉर्क सत्र में बिटकॉइन 90,000 डॉलर के नीचे फिसलकर 88,522 डॉलर तक गिर गई। इस भारी गिरावट का असर छोटे खुदरा निवेशकों से लेकर बड़ी डिजिटल एसेट ट्रेज़री कंपनियों तक पर दिखा। हालांकि बाजार बंद होते समय एने वि डिया के मजबूत नतीजों ने थोड़ी राहत दी और कुछ टोकन दिन के निचले स्तर से हल्का सुधरे। विशेषज्ञों के अनुसार बिटकॉइन के लिए 85,000 और 80,000 डॉलर महत्वपूर्ण सपोर्ट लेवल हैं। इसके अलावा 77,424 डॉलर का स्तर, जो अप्रैल में टैरिफ तनाव के दौरान बना था, अब एक अहम बॉटम माना जा रहा है। 6 अक्टूबर को क्रिप्टो मार्केट कैप 4.3 ट्रिलियन डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर था, जो गिरकर अब लगभग 3.2 ट्रिलियन डॉलर रह गया है। 10 अक्टूबर को अचानक 19 बिलियन डॉलर से अधिक की लेवरेज्ड पोजीशन लिक्विडेट होने से बाजार में घबराहट और तेज हो गई।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 446, निफ्टी 139 अंक बढ़ा

मुंबई

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार के कारोबारी सत्र में तेजी के साथ बंद हुआ। दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खदीदारी बढ़ने से ये उछाल आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 446.21 अंक बढ़कर 85,632.68 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 139.50 अंक बढ़कर 26,192.15 पर बंद हुआ। दोनों मुख्य सूचकांक अपने ऑल-टाइम हाई पर बंद हुए। सेंसेक्स पैक में बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, एचडीएफसी बैंक, टेक महिंद्रा, एक्सिस बैंक, ट्रेंट, अल्ट्राटेक सीमेंट, पावर ग्रिड, अदाणी पोर्ट्स, आईटीसी, मारुति सुजुकी और एलएंडटी के शेयर लाभ में रहे जबकि एशियन पेंट्स, एचसीएल टेक, टाइटन, एचयूएल, कोटक महिंद्रा बैंक, सन फार्मा, टाटा स्टील, इन्फोसिस, एमएंडएम, भारती एयरटेल और बीईएल के शेयर नीचे आये। लार्जकैप की जगह पर मिडकैप और स्मॉलकैप का प्रदर्शन खराब रहा। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 14.50 अंक की तेजी के साथ 60,963.55 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 8.70 अंक टूटकर 18,067.25 पर रहा था।

जानकारों के अनुसार अमेरिका-भारत के बीच ट्रेड डील होने की संभावना से भी बाजार में सकारात्मक माहौल बना है। इसके अलावा वैश्विक स्तर पर टेक कंपनियों की ओर से मजबूत परिणामों से भी बाजारा में तेजी आई।

आज सुबह बाजार बढ़त के साथ खुले। सेंसेक्स मजबूती के साथ 85,470 अंक पर खुला।

इसी तरहनिफ्टी-50 भी मजबूती के साथ 26,132 अंक पर खुलने के बाद यह 55.40 अंक चढ़कर 26,107 पर कारोबार कर रहा था। वहीं दुनिया भर के बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजारों में तेजी देखने को मिल रही है। जापान का निक्केई 3.62 फीसदी, चीन का सीएसआई 300 0.47 फीसदी, हांगकांग का हैंगसेंग 0.65 फीसदी और दक्षिण कोरिया का कोस्पी 2.5 फीसदी बढ़ा। अमेरिकी शेयर बाजार भी बढ़त के साथ बंद हुए। डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 0.10 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। जबकि एसएंडपी 500 बुधवार को 0.38 फीसदी और नैस्डैक कंपोजिट 0.59 फीसदी बढ़कर बंद हुआ।

भारत में रिटेल कारोबार बंद करने की तैयारी में डॉयचे बैंक

कारोबार को खरीदने की दौड़ में दो बड़े भारतीय बैंक

मुंबई

जर्मनी का डॉयचे बैंक भारत में अपना रिटेल और वेल्थ मैनेजमेंट बिज़नेस बंद करने को लेकर` विचार कर रहा है। इस कारोबार को खरीदने की दौड़ में दो बड़े निजी बैंक कोटक महिंद्रा बैंक और फेडरल बैंक शामिल हैं। आठ वर्षों में यह दूसरा मौका है जब डॉयचे बैंक भारत में अपनी रिटेल इकाई बेचने का प्रयास कर रहा है। सूत्रों के अनुसार दोनों भारतीय बैंकों ने डॉयचे बैंक के पोर्टफोलियो का मूल्यांकन पूरा कर लिया है और फिलहाल डील की कीमत पर बातचीत जारी है। बिक्री के लिए रखे गए पोर्टफोलियो में पर्सनल लोन और कुछ मॉर्टगेज शामिल हैं, हालांकि दोनों का सटीक हिस्सा स्पष्ट नहीं है। बैंक के वेल्थ मैनेजमेंट बिज़नेस में लगभग 25,000 करोड़ रुपए की एसेट अंडर मैनेजमेंट है। मार्च 2025 में बैंक को अपने रिटेल बिज़नेस से 2,455 करोड़ रुपए का राजस्व मिला, जो पिछले वर्ष की तुलना में 4 फीसदी अधिक है। ताज़ा आंकड़ों के अनुसार, मार्च 2025 तक डॉयचे बैंक के रिटेल पोर्टफोलियो में 25,038 करोड़ रुपए की संपत्ति शामिल थी। कोटक और फेडरल बैंक इस पोर्टफोलियो को खरीदकर अपने रिटेल और वेल्थ मैनेजमेंट बिज़नेस का विस्तार करना चाहते हैं, क्योंकि यह डॉयचे बैंक के हाई-वैल्यू ग्राहकों तक पहुंच बनाने का अवसर देता है। भारत में विदेशी बैंकों को स्थानीय बड़े बैंकों से कड़ी प्रतिस्पर्धा झेलनी पड़ती है।

फुजियामा पावर के शेयर बाजार में कमजोर लिस्टिंग के बाद रिकवरी

ग्रे मार्केट की उम्मीदों से नीचे रहा प्रदर्शन, क्यूआईबी की मजबूत मांग से सब्सक्रिप्शन पूरा हुआ

नई दिल्ली फुजियामा पावर सिस्टम्स का आईपीओ गुरुवार को शेयर बाजार में हल्की गिरावट के साथ लिस्ट हुआ। कंपनी के शेयर बीएसई पर 218.40 रुपए पर खुले, जो आईपीओ के अपर प्राइस बैंड 228 रुपए से करीब 4 फीसदी कम रहा। एनएसई पर भी शेयर 220 रुपए पर लिस्ट हुआ, जो इश्यू प्राइस से लगभग 3.51 फीसदी डिस्काउंट दर्शाता है। ग्रे मार्केट में भी आईपीओ को बेहद मामूली सपोर्ट मिला था, जहां शेयर केवल 228.50 रुपए पर ट्रेड कर रहा था। लिस्टिंग के बाद हालांकि शेयर में तेजी देखने को मिली। बीएसई पर यह 3.85 फीसदी चढ़कर 226.80 रुपए पर पहुंच गया, जबकि एनएसई पर 3.25 फीसदी की बढ़त के साथ 227 रुपए के आसपास कारोबार करने लगा। बाजार विश्लेषकों के अनुसार, शुरुआती दबाव के बावजूद शेयर में रिकवरी इस बात का संकेत है कि निवेशकों ने निचले स्तरों पर खरीदारी में रुचि दिखाई। आईपीओ की शुरुआत बाजार की सतर्क धारणा के बीच कमजोर रही थी, लेकिन अंतिम दिन मांग में सुधार ने इश्यू को संभाल लिया। एनएसई के आंकड़ों के अनुसार, क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स ने अपने हिस्से का 5.15 गुना सब्सक्रिप्शन किया, जो इस इश्यू की प्रमुख मजबूती थी।

देश की 26 ई-कॉमर्स कंपनियों ने अपना प्लेटफॉर्म 'डार्क पैटर्न' से मुक्त किया

कंपनियों ने स्वेच्छा से स्व-घोषणा पत्र प्रस्तुत किए

नई दिल्ली

देश की 26 प्रमुख ई-कॉमर्स कंपनियों ने घोषणा की है कि उनके प्लेटफॉर्म अब 'डार्क पैटर्न' से मुक्त हैं। डार्क पैटर्न भ्रामक यूजर इंटरफेस डिज़ाइन को कहा जाता है, जो ऑनलाइन उपयोगकर्ताओं को अनजाने में किसी कार्रवाई के लिए प्रेरित करता है। उदाहरण के लिए वेबसाइट या ऐप पर ऐसा डिजाइन जो ग्राहक को अनचाहे प्रोडक्ट खरीदने या सब्सक्रिप्शन लेने के लिए उकसाता है। उपभोक्ता मामलों के विभाग ने बताया कि इन कंपनियों ने स्वेच्छा से स्व-घोषणा पत्र प्रस्तुत किए हैं। इसमें उन्होंने पुष्टि की कि उनके प्लेटफॉर्म पर किसी भी प्रकार के डार्क पैटर्न का इस्तेमाल नहीं किया गया है। इसके अलावा, कंपनियों ने अपने प्लेटफॉर्म का आंतरिक और बाहरी ऑडिट कराकर इसकी पुष्टि की। इस सूची में जेप्टो, जोमैटो, स्विगी, जियोमार्ट, बिगबास्केट, फ्लिपकार्ट, मिंत्रा, फार्म इजी, मेकमायट्रिप, ब्लिंकिट, क्लियरट्रिप, रिलायंस ज्वेल्स, रिलायंस डिजिटल, नेटमेड्स, टाटा 1एमजी, मीशो, इक्सिगो, मिलबास्केट, हैमलेज, अजियो, टीरा ब्यूटी, ड्यूरोफ्लेक्स और क्यूराडेन जैसी प्रमुख कंपनियां शामिल हैं। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने कहा कि यह कदम डिजिटल मार्केट में उपभोक्ताओं के हितों की सुरक्षा में अहम भूमिका निभाएगा।

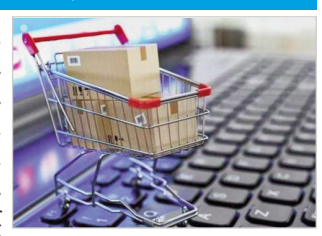

30 नवंबर 2023 को अधिसूचित 'डार्क पैटर्न रोकथाम एवं विनियमन दिशानिर्देश 2023' 13 प्रकार के डार्क पैटर्न की पहचान करते हैं और उन पर प्रतिबंध लगाते हैं।

भारत में लेनोवो का जुलाई-सितंबर तिमाही का राजस्व बढ़कर 1.2 अरब डॉलर पहुंचा

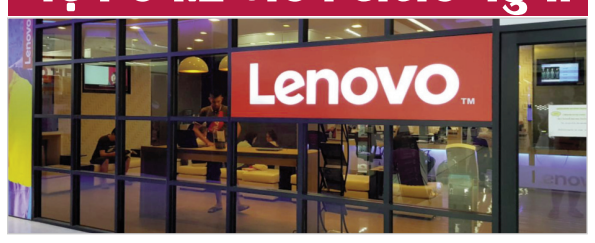

- लेनोवो इंडिया के सभी व्यावसायिक समूहों में मजबूत प्रदर्शन से राजस्व में हुई बढ़ोतरी

नई दिल्ली

डिजिटलीकरण, प्रीमियमीकरण और माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में बदलाव के बाद उपभोक्ता धारणा में सुधार होने के बाद लेनोवो की भारतीय इकाई की जुलाई-सितंबर तिमाही में आय सालाना अधार पर 23 प्रतिशत बढ़कर 1.2 अरब डॉलर हो गई। लेनोवो इंडिया के एक अे धिकारी ने कहा कि लेनोवो डिजिटल कैपेबिलिटी सेंटर्स और एंटरप्राइज ट्रांसफॉर्मेशन के लिए वैश्विक संकुल के तौर पर भारत की बढ़ती भूमिका का फायदा उठा रहा है। अधिकारी ने कहा कि लेनोवो इंडिया के सभी व्यावसायिक समूहों में इस समीक्षाधीन तिमाही में मजबूत प्रदर्शन किया। वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी (जुलाई-सितंबर) तिमाही का राजस्व सालाना आधार पर 23 प्रतिशत बढ़कर 1.2 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। डिजिटलीकरण के बढ़ते रुझान, प्रीमियमीकरण एवं जीएसटी प्रोत्साहन से उपभोक्ताओं की बेहतर धारणा के साथ भारत में हमारी सभी श्रेणियों के लिए अच्छी मांग देखी गई है।

उन्होंने कहा कि हमारा मजबूत प्रदर्शन खुदरा, एमएसएमई और उद्यम ग्राहकों दोनों के बीच हमारे 'एंड-टू-एंड' कृत्रिम मेधा (एआई)-संचालित प्रौद्योगिकी समाधानों को मजबूती से अपनाने से प्रेरित रहा। लेनोवो समूह के एक प्रमुख अे धिकारी ने कहा कि हम अनिश्चितताओं से निपटने और बेहतरीन हाइब्रिड एआई अवसरों को हासिल करने के लिए अपने अद्वितीय वैश्विक, स्थानीय मॉडल का लाभ उठाना जारी रखेंगे। हम ऐसा करके न केवल अपने शेयरधारकों को दीर्घकालिक स्थायी लाभ प्रदान करेंगे बल्कि एआई को वास्तव में प्रत्येक व्यक्ति एवं प्रत्येक उद्यम की जरूरतों के अनुरूप बनाएंगे।

न्यू रेनो डस्टर कार अगले साल होगी भारत में लॉन्च

नई दिल्ली

कार निर्माता कंपनी रेनो इंडिया अपनी नई रेनो डस्टर कार 26 जनवरी को भारतीय बाजार में पेश करने वाली है, जिसके बाद यह देशभर के शोरूम में उपलब्ध होने लगेगी। नई डस्टर को कंपनी के इंटरनेशनल मॉडल डेसिया के प्लेटफॉर्म पर विकसित किया गया है। रेनो का बड़ा ग्लोबल प्लान 2027 तक एक नई 7-सीटर एसयूवी और उभरते बाजारों के लिए बजट इलेक्ट्रिक सिटी कार लाने का भी है। भारत में इसकी टक्कर मारुति ग्रैंड विटारा, होंडा एलिवेट, किआ सेल्टोस और मारुति फ्रोंक्स-आधारित वैरिएंट्स जैसी लोकप्रिय एसयूवी से होगी।

नई डस्टर के एक्सटीरियर में इस बार बड़े बदलाव देखने को मिलते हैं। खासतौर पर इसका फ्रंट लुक पूरी तरह बदला गया है। इसमें रेनो की नई बैजिंग के साथ मॉडर्न ग्रिल दी गई है, जो कंपनी के पारंपरिक रोम्बस लोगो की जगह लेती है। इसके बावजूद डस्टर अपनी दमदार पहचान बनाए रखती है। इसका आकार भी प्रभावी है 4343 मिमी की लंबाई और 2657 मिमी का व्हीलबेस इसे सेगमेंट की मजबूत एसयूवी में शामिल करता है। इंटीरियर की बात करें तो यह मॉडल अपने डेसिया वर्जन से काफी मेल खाता है। दोनों को अलग करने वाला मुख्य तत्व इसका स्टीयरिंग व्हील है। हाई ट्रिम में 7-इंच का डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और 10.1-इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम दिया गया है, जो डैशबोर्ड से ऊपर की ओर निकला हुआ लगता है। यह ड्राइवर-केंद्रित डिजाइन अनुभव को और बेहतर बनाता है।

इंजन विकल्पों में भी यह एसयूवी काफी विविधता रखती है। इंटरनेशनल मार्केट में यह 1.0 टीसीई तीन-सिलेंडर इंजन के साथ आती है, जो 100एचपी की ताकत देता है। इसके साथ 1.2 टीसीई टर्बो पेट्रोल इंजन का माइल्ड-हाइब्रिड सेटअप भी उपलब्ध है, जो 130एचपी आउटपुट देता है और 48-वोल्ट स्टार्टर-जनरेटर के साथ ऑल-व्हील ड्राइव का सपोर्ट करता है। टॉप मॉडल में ई- टेक हाइब्रिड वैरिएंट मिलता है, जिसमें 1.6एल इंजन और इलेक्ट्रिक मोटर मिलकर 140 एचपी की पावर जनरेट करते हैं। इसके अलावा वायरलेस स्मार्टफोन चार्जिंग, 6 एयरबैग, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल, टाइप-सी पोर्ट और 360-डिग्री कैमरा जैसे फीचर्स भी शामिल हैं।

उत्सर्जन मानदंडों पर एकमत है निर्माण उपकरण उद्योग: जेसीबी इंडिया

- आईसीईएमए ने सरकार से बिना पहियों वाली मशीनों पर नियम लागू करने का अनुरोध किया

नई दिल्ली

भारतीय निर्माण उपकरण विनिर्माता संघ (आईसीएमए) में उत्सर्जन मानदंडों को लेकर किसी भी प्रकार का मतभेद नहीं है। यह बात जेसीबी इंडिया के एक प्रमुख अे धिकारी एक संवाददाता सम्मेलन में कही। उन्होंने बताया कि उद्योग लंबे समय से प्रगतिशील रुख अपनाता आया है और नए पर्यावरणीय नियमों को स्वीकार करने के लिए हमेशा तैयार रहा है। उन्होंने कहा कि आईसीएमए ने स्वयं केंद्र सरकार से अनुरोध किया था कि बिना पहियों वाली निर्माण मशीनों से क्रॉलर एक्सकेवेटर, ट्रैक्ड पेवर्स, मोबाइल क्रेन, डोज़र और मोटर ग्रेडर पर उत्सर्जन मानदंड लागू किए जाएं। फिलहाल, इन मशीनों पर कोई उत्सर्जन मानदंड लागू नहीं है, जबकि पहियों वाली मशीनों पर कड़े नियम पहले से प्रभावी हैं।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उद्योग के भीतर इस विषय पर कभी कोई भिन्न राय नहीं रही और सभी कंपनियां उत्सर्जन नियंत्रण के महत्व को समझती हैं।

इसके विपरीत, यात्री वाहन उद्योग वर्तमान में कैफे-3 और कैफे-4 नियमों के कुछ प्रावधानों पर एकमत नहीं हो सका है। ये नियम अप्रैल 2027 से लागू होने वाले हैं और कार निर्माताओं को बेड़े के औसत के आधार पर कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन सीमाओं का पालन करना होगा। छोटे वाहनों के लिए भार आधारित छूट के प्रस्ताव पर वाहन कंपनियों के बीच मतभेद बने हुए हैं। निर्माण उपकरण क्षेत्र में 1 जनवरी से भारत स्टेज सीईवी यानी स्टेज 5 मानदंड लागू हो चुके हैं, जो केवल पहियों वाले उपकरण वाहनों पर लागू होते हैं। ये मानदंड पार्टिकुलेट मैटर और पार्टिकल नंबर उत्सर्जन पर काफी सख्ती लाते हैं और निर्माताओं को डीज़ल पार्टिकुलेट फ़िल्टर जैसी उन्नत तकनीक अपनाने की आवश्यकता पड़ती है। हालांकि, बिना पहियों वाली या ट्रैक्ड मशीनें अभी भी इन नियमों के दायरे से बाहर हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एशेज सीरीज का पहला टेस्ट आज से , जीत के इरादे से उतरेंगी दोनो ही टीमें

पर्थ (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच शुक्रवार से यहां शुरू हो रही एशेज क्रिकेट सीरीज में दोनो ही टीमों के बीच रोमांचक क्रिकेट होने की संभावना है। बेन स्टोक्स की कप्तानी में उतर रही इंग्लैंड का लक्ष्य इस बार एशेज जीत कर पिछले एक दशक से मिल रही असफलत को पीछे छोड़ना रहेगा। वहीं नियमित कप्तान पैट कमिंस के फिट नहीं होने के कारण स्टीव स्मिथ की कप्तानी में उतर रही मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम अपने खिताब को बरकरार रखने के लिए पूरा जोर लगा देगी। आंकड़ों पर नजर डालें तो ऑस्ट्रेलिया में पिछले 15 टेस्ट में से इंग्लैंड 13 मैच हारी है जबकि दो ड्रॉ रहे हैं इस प्रकार उसे एक भी जीत नहीं मिल सकी। अंतिम बार 2010-11 में इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया को 3-1 से हराया था।

वहीं इस बार मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम की राह भी आसान नहीं है। वह अपने खिलाड़ियों की चोटों से परेशान हैं। ऐसे में देखना होगा कि प्रमुख खिलाड़ियों के बिना खेलने जा रही ऑस्ट्रेलियाई टीम अपना अपराजेय अभियान बरकरार रख सकेगी या नहीं। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान कमिंस और तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड चोटों के कारण पहले टेस्ट से बाहर हैं। ऐसे में तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क और आफ स्पिनर नाथन लियोन पर दबाब बढ़ जाएगा।

ब्रेंडन डोगेट तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड के साथ पहली बार टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करेंगे। ऑलराउंडरन कैमरन ग्रीन इस सीरीज से वापसी कर रहे हैं। सलामी बल्लेबाज जैक वेदराल्ड को भी 31 साल की उम्र में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने का मौका मिला है। मार्नस लाबुशेन तीसरे और कार्यवाहक कप्तान स्मिथ चौथे नंबर पर उतरेंगे।

इंग्लैंड के कप्तान स्टोक्स ने कहा, 'मुझे पता है कि यह कितनी बड़ी सीरीज है। मैं उन भाग्यशाली कप्तानों में नाम दर्ज कराना चाहता हूं जिन्होंने आस्ट्रेलिया में एशेज सीरीज जीती है। इस बार हमारे पास अपना इतिहास बनाने का अवसरी है। इंग्लैंड टीम में गेंदबाजी की जिम्मेदारी तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर के पास रहेगी। वहीं उनका साथ मार्क वुड देंगे। इस मैचम में तेज गेंदबाज ब्राइडन कार्स वह गुस एटकिंसन को भी अवसर मिल सकता है। कुल मिलाकर देखा जाये तो इस सीरीज में जीत के लिए दोनो ही टीमें पूरा जोर लगा देंगी। मेजबान टीम को हालातों का भी लाभ मिलेगा ऐसे में उसे प्रबल दावेदार माना जा रहा है।

टीमें इस प्रकार हैं

ऑस्ट्रेलिया अंतिम ग्यारह :- स्टीवन स्मिथ (कप्तान), उस्मान ख्वाजा, जेक वेदरल्ड, मार्नस लाबुशेन, ट्रैविस हेड, कैमरून ग्रीन, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), मिशेल स्टार्क, नाथन लियोन, स्कॉट बोलैंड, ब्रेंडन डॉगेट।

इंग्लैंड की अंतिम ग्यारह :- बेन स्टोक्स (कप्तान), जाक क्राउली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, जैमी स्मिथ, ब्राइडन कार्स, गुस एटकिंसन, जोफ्रा आर्चर, मार्क वुड, शोएब बशीर

मुशफिकुर ने 100वें टेस्ट में शतक लगाकर बनाया रिकार्ड

-विशिष्ट खिलाड़ियों के क्लब में शामिल हुए

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश के अनुभवी क्रिकेटर मुशफिकुर रहीम ने ढाका में अपने 100वें टेस्ट मैच में शतक लगाने के साथ ही एक महत्वपूर्ण उपलब्धि अपने नाम दर्ज की है। मुशफिकुर आयरलैंड के खिलाफ खेले जा रहे इस मैच में शतक लगाने के साथ ही उन बल्लेबाजों के एक विशिष्ट क्लब में प्रवेश किया है। हैं जिन्होंने अपने 100वें टेस्ट में शतक लगाये हैं। अच्छी तकनीक के लिए पहचाने जाने वाले मुशफिकुर ने अपनी पारी में संयम, धैर्य और क्लास का मिश्रण दिखाया। दूसरे दिन 99 रन पर नाबाद लौटे मुशफिकुर रहीम पर पारी को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी थी। वहीं आयरलैंड ने जॉर्डन नील को गेंदबाजी सौंपी। नील ने कुछ अच्छी गेंदें डालकर रहिम को रोकने की कोशिश की पर ओवर की तीसरी गेंद पर रहीम ने एक रन लिया और शतक पूरा कर लिया। शेर-ए-बांग्ला नेशनल स्टेडियम में बैठे दर्शकों ने खड़े होकर उनका स्वागत किया, और तालियां बजायीं।

अब मुशफिकुर उन 11 खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं जिन्होंने अपने 100वें टेस्ट मैच में शतक लगाया है। इस सूची में कॉलिन काउड्रे, जावेद मियांदाद, रिकी पोंटिंग, हाशिम अमला, जो रूट और डेविड वॉर्नर जैसे दिग्गज शामिल हैं।

हीम का यह शतक केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि बांग्लादेश क्रिकेट के विका का प्रतीक भी है। 2005 में पदार्पण करने वाले इस बल्लेबाज ने अपनी फिटनेस, तकनीक और अनुशासन के बल पर लंबे समय तक टीम में अहम भूमिका निभाई है। 100वें टेस्ट में शतक उनकी काबिलियत, निरंतरता और खेल के प्रति समर्पण को दिखाता है।

दूसरे टेस्ट से पहले गावस्कर ने दी प्रबंधन और चयनकर्ताओं को सलाह

-टीम में ऑलराउंडर नहीं विशेषज्ञ बल्लेबाज शामिल करें

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने टीम प्रबंधन और चयनकर्ताओं से कहा है कि वह अपने अहं को छोड़कर टीम का चयन करें। गावस्कर ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट सीमित ओवरों से अलग होता है, इसलिए यहां विशेषज्ञ बल्लेबाजों को जगह मिलनी चाहिये। वहीं कोलकाता में हुए पहले टेस्ट में ऑलराउंडर रखने पर प्रबंधन का जोर था जिससे टीम को नुकसान हुआ और वह लक्ष्य हासिल नहीं कर पायी। गावस्कर ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ गुवाहाटी में शनिवार से शुरु हो रहे दूसरे टेस्ट से पहले ये बात कही। इसके साथ ही गावस्कर ने बल्लेबाजों से भी कहा कि धैर्य से खेलें न कि अहंकार में भरकर हर गेंद पर शॉट लगाने का प्रयास करें। गावस्कर ने चयनकर्ताओं के साथ ही टीम प्रबंधन से कहा कि टेस्ट क्रिकेट में सीमित-ओवरों वाले ऑलराउंडरों की जगह पर घरेलू क्रिकेट में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को शामिल करना चाहिये। कोलकाता टेस्ट का हवाला देते हुए पूर्व कप्तान ने कहा कि केवल 3 दिन में 30 रन की हार से दिखता है कि प्रबंधन घरेलू क्रिकेट में रन बरसाने वालों की जगह लीग खिलाड़ियों को शामिल कर रहा है। ऐसे में टीम में शामिल खिलाड़ी पिचों पर टिक कर नहीं खेल पा रहे हैं।गावस्कर ने लिखा, दक्षिण अफ्रीका से हार के बाद उम्मीद करते हैं कि जिम्मेदारों की आंख खुलेगी और वे घरेलू क्रिकेट में रन बनाने वालों पर ध्यान देंगे। ये खिलाड़ी इन पिचों पर खेलने के अभ्यस्त हैं जहां गेंद घूमती हैं और नीची रहती हैं। वहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने वाले खिलाड़ी अधिकतर समय इतने व्यस्त रहते हैं कि न्हें घरेलू पिचों पर खेलने का अभ्यास ही नहीं होता। उन्होंने कहा, 'टेस्ट बल्लेबाजी धैर्य की मांग करती है और सबसे अहम ये है कि अपने अहं को छोड़ दें। ने की उत्सुकता दिखनी चाहिए। ये मायने नहीं रखता कि आप बीट हो गए या लेग गार्ड्स पर गेंद लगी।

शुभमन गिल गुवाहाटी टेस्ट नहीं खेल पाएंगे !, इस खिलाड़ी को मिलेगी कप्तानी

गुवाहाटी (एजेंसी)। शुभमन गिल पिछले हफ्ते कोलकाता में पहले टेस्ट के दौरान लगी गर्दन की चोट से पूरी तरह ठीक नहीं हो पाने के कारण शनिवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ गुवाहाटी में शुरू होने वाले भारत के दूसरे टेस्ट से बाहर हो जाएंगे। उप कप्तान ऋषभ पंत उनकी जगह कप्तान होंगे। माना जा रहा है कि मेडिकल सलाह के अनुसार, अगर गिल इतनी जल्दी खेलते हैं तो उन्हें गर्दन में ऐंठन दोबारा होने का खतरा है। उन्हें और आराम करने की सलाह दी गई है।

इस बात का असर 30 नवंबर से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरू होने वाले तीन मैचों के लिए वनडे टीम में उनके सिलेक्शन पर भी पड़ सकता है। उस सीरीज के लिए टीम 23 नवंबर को चुने जाने की उम्मीद है। गिल के बाहर होने की वजह से भारत को उनकी जगह साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल और नीतीश कुमार रेड्डी में से किसी एक को चुनना पड़ सकता है।

कोलकाता टेस्ट के दूसरे दिन गिल को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था, जब उन्होंने भारत की पहली पारी में सिर्फ तीन बॉल खेलने के बाद रिटायर्ड हर्ट होने का फैसला किया था। तीसरे दिन की सुबह BCCI ने कहा कि वह टेस्ट में आगे हिस्सा नहीं लेंगे। भारत 124 रन के टारगेट का पीछा करते हुए 93 रन पर आउट हो गया और पिच पर अनइवन बाउंस थी, जिसके बाद टीम 30 रन से मैच हार गई। गिल अक्टूबर 2024 में न्यूज़ीलैंड के खिलाफ गर्दन में ऐंठन की वजह से एक टेस्ट भी नहीं खेल पाए थे।

गिल के दूसरे टेस्ट में ना खेलने की खबरों पर भारत के बैटिंग कोच सीतांशु कोटक ने गिल को बाहर किए बिना एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि अगर ऐंठन दोबारा होने की कोई संभावना है तो टीम उन्हें खिलाने का रिस्क नहीं लेगी। कोटक ने कहा, 'वह निश्चित रूप से बहुत अच्छी तरह से ठीक हो रहे हैं। अब, (उन्हें खिलाना है या नहीं) यह फैसला कल शाम को लिया जाएगा। फिजियो, डॉक्टरों को यह फैसला करना होगा कि, (भले ही) वह पूरी तरह से ठीक हो जाएं, (खेल के दौरान), उन्हें फिर से वह ऐंठन नहीं होनी चाहिए।'

भारतीय कोच ने कहा, 'अगर हमारे पास यह गारंटी है कि, बहुत संभावना है, उन्हें यह समस्या दोबारा नहीं होगी, तो वह खेलेंगे। अगर कोई शक है, तो मुझे यकीन है कि वह एक और गेम के लिए आराम करेंगे, क्योंकि अगर वह खेलते हैं तो यह टीम के लिए मददगार नहीं होगा।'

ऑस्ट्रेलियाई ओपन बैडमिंटन : शेट्टी क्वार्टर फाइनल में पहुंचे, प्रणय बाहर

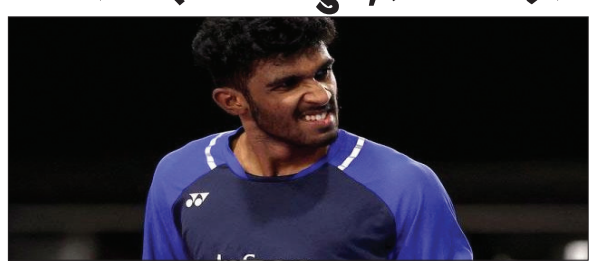

सिडनी । भारत के युवा बैडमिंटन खिलाड़ी आयुष शेट्टी आस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में पहुंच गए जबकि सीनियर खिलाड़ी एच एस प्रणय बृहस्पतिवार को हारकर बाहर हो गए। शीर्ष वरीयता प्राप्त सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी भी चीनी ताइपै के सू चिंग हेंग और वु गुआन शुन को 21.18, 21.11 से हराकर अंतिम आठ में पहुंच गए।

योनेक्स अमेरिकी ओपन सुपर 300 टूर्नामेंट के विजेता शेट्टी ने चौथी वरीयता प्राप्त जापान के कोडाइ नराओका को 21.17, 21.16 से हराया। अब क्वार्टर फाइनल में उनका सामना हमवतन लक्ष्य सेन से होगा। वहीं इस साल प्री क्वार्टर फाइनल से आगे नहीं जा सके प्रणय को आठवीं वरीयता प्राप्त पूर्व जूनियर विश्व चैम्पियन इंडोनेशिया फरहान अलवी ने 21.19, 21.10 से हराया। सात्विक और चिराग की जोड़ी का सामना अब पांचवीं वरीयता प्राप्त इंडोनेशिया के फजर अल्फियान और मुहम्मद शोहिबुल फिकरी से होगा।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में खेलेंगे पडिक्कल और नायर, इस टीम में शामिल हुए

बेंगलुरु (एजेंसी)। देवदत्त पडिक्कल और करुण नायर को गुरुवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी एलीट ग्रुप ष मैचों के लिए कर्नाटक की 16 सदस्यों वाली टीम में शामिल किया गया। ये मैच 26 नवंबर से अहमदाबाद में होंगे। देवदत्त अभी साउथ अफ्रीका सीरीज़ के लिए भारत की टेस्ट टीम का हिस्सा हैं, और अगर टीम मैनेजमेंट उन्हें रिलीज नहीं करता है, तो वह कम से कम पहले कुछ मैच नहीं खेल पाएंगे। करुण ने रणजी ट्रॉफी के पहले हिस्से में अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने पांच मैचों में 100.33 की औसत से दो शतकों के साथ 602 रन बनाए हैं। मयंक अग्रवाल की कप्तानी वाली कर्नाटक टीम अपने कैंपेन की शुरुआत उत्तराखंड के खिलाफ करेगी, जिसके बाद झारखंड के खिलाफ डे-नाइट मैच होगा। ग्रुप ष में दूसरी टीमें राजस्थान, तमिलनाडु, दिल्ली, सौराष्ट्र और त्रिपुरा हैं। कर्नाटक टीम : मयंक अग्रवाल (कप्तान), मैकनील नोरोन्हा, केएल श्रीजीत, करुण नायर, आर स्मरण, अभिनव मनोहर, श्रेयस गोपाल, शिखर शेट्टी, वैसाख विजयकुमार, विद्वाथ कवरप्पा, विद्याधर पाटिल, श्रीवत्स आचार्य, शुभांग हेगड़े, प्रवीण दुबे, बीआर शरथ, देवदत्त पडिक्कल.

पाकिस्तानी क्रिकेटर से हाथ मिलाकर प्रशंसकों के निशाने पर पाये हरभजन

अबू धाबी । पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह अबू धाबी टी-10 लीग के एक मैच में पाकिस्तानी खिलाड़ी से हाथ मिलाते नजर आये हैं। इस लीग में हरभजन एस्पिन स्टैलियंस की कप्तानी कर रहे थे और उन्होंने नॉर्दर्न वॉरियर्स की ओर से खेल रहे पाकिस्तानी गेंदबाज शाहनवाज दहानी से हाथ मिलाया। जिसे देखकर प्रशंसक हैरान हो गये। इसका कारण है कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद उन्होंने पाक की आलोचना करते हुए कहा था कि उसके साथ क्रिकेट नहीं होना चाहिये। यहां तक कि उन्होंने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को एशिया कप में पाक से नहीं खेलने को कहा था। पहलगाम आतंकी हमले के बाद से ही भारतीय खिलाड़ियों ने हर जगह पाक खिलाड़ियों से हाथ मिलाने से इंकार कर दिया था। यहां तक कि पूर्व क्रिकेटरों की विश्व चैम्पियनशिप में भी भज्जी और भारतीय टीम ने पाक के खिलाफ मैच का बहिष्कार किया था। तब हरभजन, शिखर धवन, यूसुफ पठान, इरफान पठान और सुरेश रैना ने विश्व चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से मना कर दिया था। तब उन्होंने कहा था कि तनावपूर्ण राजनीतिक हालातों में 'खून और पसीना एक साथ नहीं बहाया जा सकता। एशिया कप में भी भारतीय टीम सूर्यकुमार यादव की टीम भारत ने सलमान आगा की कप्तानी वाली पाकिस्तानी टीम से हाथ नहीं मिलाया। इसके बाद यह महिला विश्व कप में भी भारतीय क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने पाक कप्तान और फातिमा सना से दूरी बनाये रखी थी।

सरफराज को मिली पाकिस्तान शाहीन और अंडर-19 टीम की जिम्मेदारी, अजहर अली ने उठाया बड़ा कदम

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व टेस्ट कप्तान अजहर अली ने नेशनल सिलेक्शन कमिटी और नेशनल क्रिकेट एकेडमी में यूथ डेवलपमेंट डिपार्टमेंट के हेड पद से इस्तीफा दे दिया है। अली के एक भरोसेमंद सोर्स ने कन्फर्म किया कि उन्होंने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को अपना इस्तीफा भेजा है क्योंकि एक और पूर्व टेस्ट कप्तान सरफराज अहमद को पाकिस्तान शाहीन और अंडर-19 टीमों का पूरा कंट्रोल दिया गया था।

सूत्र के हवाले से कहा गया, 'अजहर ने इस हफ्ते की शुरुआत में बोर्ड को अपना इस्तीफा भेजा था और इसे मंजूर कर लिया गया है।'' 97 टेस्ट खेलने वाले अजहर ने पिछले साल सिलेक्टर और यूथ डेवलपमेंट हेड के तौर पर अपना कार्यकाल शुरू किया था, लेकिन सोर्स ने कहा कि वह बोर्ड में काम करने के तरीके से काफी परेशान हो रहे थे। काम करने का रेड-टेप स्टाइल उन्हें परेशान करता था, साथ ही इस बात से भी कि एकेडमी में युवा क्रिकेटरों को तैयार करने के उनके कुछ प्रपोजल को आगे नहीं बढ़ाया गया।'

सोर्स ने कहा कि अजहर तब निराश हुए जब बोर्ड ने अचानक उनसे बात किए बिना शाहीन और अंडर-19 क्रिकेट के सारे मामले सरफराज को सौंपने का फैसला किया। उन्होंने आगे कहा, 'अजहर को लगा कि अब जब सरफराज को शाहीन और अंडर-19 टीमें चलाने के लिए कहा गया है, तो यूथ डेवलपमेंट के हेड के तौर पर उनकी ज्यादातर जिम्मेदारियां बिना उनकी मंजूरी के छीन ली गई हैं, इसलिए उन्होंने इस्तीफा देने का फैसला किया।'

सरफराज, जो बोर्ड के साथ पहले मेंटर और फिर क्रिकेट मामलों के एडवाइजर के तौर पर काम कर रहे थे, उन्हें पिछले हफ्ते दोनों टीमों की जिम्मेदारी लेने और कोच के परफॉर्मेंस, सिलेक्शन मामलों, ट्रेनिंग कैंप ऑर्गनाइज करने समेत सभी पहलुओं को देखने के लिए कहा गया और उन्हें टीमों के साथ ट्रैवल करने का अधिकार भी दिया गया। हाल के सालों में पुराने खिलाड़ियों और कोचों, जिनमें विदेशी भी शामिल हैं, का अपना कॉन्ट्रैक्ट पूरा न करने, या तो छोड़ने या नौकरी से निकाले जाने का इतिहास रहा है। हाल ही में पाकिस्तान ने वर्ल्ड कप में मिली हार के बाद महिला टीम के हेड कोच के तौर पर मुहम्मद वसीम का कॉन्ट्रैक्ट रिन्यू नहीं किया, जहां टीम आठ टीमों में सबसे नीचे रही थी।

राइजिंग स्टार्स एशिया कप : भारत ए को बांग्लादेश ए के खिलाफ सेमीफाइनल में शीर्षक्रम से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद

दोहा । भारत ए को बांग्लादेश ए के खिलाफ राइजिंग स्टार्स एशिया कप सेमीफाइनल में अपने शीर्षक्रम के बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी ताकि वैभव सूर्यवंशी पर अकेले बोझ नहीं पड़े। इस टी20 टूर्नामेंट में 201 रन बनाकर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बने सूर्यवंशी एक शतक और 45 रन की पारी खेल चुके हैं। बाकी बल्लेबाज हालांकि अभी तक अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतर सके हैं जिनमे कप्तान जितेश शर्मा, नमन धीर, प्रियांश आर्य और नेहाल वढेरा शामिल हैं। भारतीय टीम बांग्लादेश को हलके में लेने की गलती नहीं करेगी जिसने अफगानिस्तान ए टीम को 78 रन पर समेट दिया था। इसके अलावा लीग मैच में श्रीलंका ए की मजबूत टीम को आखिरी ओवर तक खेलने पर मजबूर किया। बांग्लादेश के तेज गेंदबाज रिपोन मंडल और हाल ही में सीनियर टी20 टीम में शामिल हुए बायें हाथ के स्पिनर रकीबुल हसन से भारतीय बल्लेबाजों को सावधान रहना होगा। भारत के गेंदबाजों ने भी टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया है और बायें हाथ के तेज गेंदबाज गुरजपनीत सिंह तीन मैचों में पांच विकेट ले चुके हैं। बायें हाथ के स्पिनर हर्ष दुबे और लेग स्पिनर सुयश शर्मा ने तीन तीन विकेट लेकर उनका बखूबी साथ दिया है। दुबे ने ओमान के खिलाफ अर्धशतक भी लगाया था। दुबे ने BCCI टीवी से कहा, 'मैने सलामी बल्लेबाज के तौर पर शुरुआत की थी और मुझे पता था कि मैं अच्छी बल्लेबाजी कर सकता हूं। मैं ओमान के खिलाफ मिले इस मौके को भुनाना चाहता था। हम इसी तरह का प्रदर्शन करना चाहते जो यूएई और ओमान के खिलाफ किया था।' 'बांग्लादेश की बल्लेबाजी का दारोमदार सलामी बल्लेबाज हबीबुर रहमान सोहान और कप्तान अबरार अली पर होगा। इन दोनों के विकेट जल्दी लेकर भारत दबाव बनाने की कोशिश करेगा। दूसरे सेमीफाइनल में पाकिस्तान शाहीस का सामना श्रीलंका ए से होगा।

अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ फेम में चुने गए 20 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन रोजर फेडरर

लंदन - स्विट्जरलैंड के स्टार टेनिस खिलाड़ी और 20 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन रोजर फेडरर को अंतरराष्ट्रीय हॉल ऑफ फेम में चुना गया है। रोड आइलैंड स्थित हॉल ऑफ फेम ने बुधवार को यह जानकारी दी। टीवी प्रस्तोता और पत्रकार तथा पूर्व खिलाड़ी मैरी कैरिलो को योगदानकर्ता श्रेणी में चुना गया। इन्हें हॉल ऑफ फेम में शामिल करने के लिए समारोह अगस्त 2026 में होगा। फेडरर ने 103 टूर-स्तरीय खिताब, 20 बड़ी ट्रॉफियां और 28 एटीपी मास्टर्स 1000 क्राउन जीते है। 43 साल के फेडरर के नाम फरवरी 2004 से अगस्त 2008 तक 237 हफ़्तों तक लगातार वर्ल्ड नंबर वन रहने का रिकॉर्ड है। फेडरर पांच बार एटीपी ईयर-एंड नंबर वन रहे, पीआईएफ सम्मान से सम्मानित हुए, 13 बार स्टीफन एडबर्ग स्पोर्ट्समैनशिप अवॉर्ड मिला और 2003-21 तक लगातार 19 सालों तक एटीपी फैंस के पसंदीदा चुने गए। अपनी इस उपलब्धि पर फेडरर ने कहा, 'अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल होना और खेल के इतने सारे महान चैंपियन के साथ खड़ा होना बहुत बड़ा सम्मान है।' उन्होंने कहा, 'अपने पूरे करियर में मैंने हमेशा टेनिस के इतिहास और मुझसे पहले आए लोगों के उदाहरण को महत्व दिया है। स्विस टेनिस में, अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों से घिरे हुए यह खबर सुनना बहुत खास था वह जगह जहां मेरी अपनी यात्रा पहली बार शुरू हुई थी। खेल और मेरे साथियों से इस तरह पहचान मिलना बहुत अच्छा लग रहा है। मैं अगले अगस्त में टेनिस कम्युनिटी के साथ इस खास पल को मनाने के लिए न्यूपोर्ट आने का इंतजार कर रहा हूं।' 20 ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी फेडरर 'क्लास ऑफ 2026' के लिए समर्थन प्राप्त करने वाले एकमात्र उम्मीदवार थे। फेडरर ने राफेल नडाल और नोवाक जोकोविच जैसे साथी महान खिलाड़ियों की मौजूदगी वाले युग को 'टेनिस के लिए स्वर्णिम समय' माना।

कुलदीप यादव का आक्रामक मंत्र: विकेट लेना ही मेरा काम, कोच-कप्तान के सहयोग से मिली स्पष्टता

मुंबई (एजेंसी)। भारत के अनुभवी स्पिनर कुलदीप यादव ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शनिवार से गुवाहाटी में शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट मैच से पहले एक आक्रामक गेंदबाज के रूप में अपना नजरिया साझा किया। यादव ने एक आक्रामक गेंदबाज के रूप में अपनी भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि भारतीय कोच गौतम गंभीर और कप्तान शुभमन गिल के सहयोग की बदौलत उन्हें अपने काम पर स्पष्टता मिली है। यादव ने आगे कहा कि वह आक्रामक मानसिकता बनाए रखते हैं और विकेट लेने पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

कुलदीप यादव ने जियोस्टार पर कहा कि एक आक्रामक गेंदबाज के रूप में मैं बहुत स्पष्ट हूँ, मैं वर्षों से अपनी भूमिका जानता हूँ। कोच और कप्तान ने मुझे बहुत स्पष्टता और सहयोग दिया है। मैं हमेशा आक्रामक मानसिकता रखता हूँ और उसी के अनुसार गेंदबाजी करता हूँ। यही मेरा काम है; विकेट लेना। वे मुझे इसी नज़र से देखते हैं। यादव का मानना है कि टेस्ट क्रिकेट एक चुनौतीपूर्ण लेकिन मनोरंजक प्रारूप है, और भारत के लिए सभी प्रारूपों में खेलना एक ÷विलासिता÷ है। उनका लक्ष्य अगले 4-5 वर्षों में फिटनेस और प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित करना है ताकि वे अपने टेस्ट अवसरों का अधिकतम लाभ उठा सकें।

यादव ने कहा कि सभी को टेस्ट क्रिकेट पसंद है। यह एक ऐसा प्रारूप है जिसका सभी आनंद लेते हैं, लेकिन यह बहुत चुनौतीपूर्ण भी है। ज़ाहिर है, आप सभी प्रारूपों में खेलना चाहते हैं, लेकिन अगर आपको टेस्ट क्रिकेट खेलने का मौका मिलता है, तो आप इसका आनंद लेते हैं। भारत के लिए सभी प्रारूपों में खेलना एक विलासिता है। टेस्ट क्रिकेट में अगले 4-5 साल मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं, इसलिए मैं अपनी फिटनेस बनाए रखने और इसी तरह का प्रदर्शन जारी रखने पर ध्यान केंद्रित करूँगा।

भारत शनिवार को गुवाहाटी में दूसरे और अंतिम टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका का सामना करेगा, जहाँ वह श्रृंखला के पहले मैच में 30 रनों की हार से उबरकर श्रृंखला 1-1 से बराबर करना चाहेगा। दूसरे टेस्ट से पहले, भारत के तेज़ गेंदबाज़ मोहम्मद सिराज का मानना ??है कि दक्षिण अफ्रीका जैसी मज़बूत टीमों का सामना करने से उनका आत्मविश्वास बढ़ता है, क्योंकि इससे उन्हें अपनी गलतियों को पहचानने और सुधारने में मदद मिलती है।

गुवाहाटी टेस्ट जीतने भारतीय टीम को करने होंगे कई सुधार : रिपोर्ट

गुवाहाटी । यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 22 नवंबर से होने वाले दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय टीम का लक्ष्य जीत हासिल कर सीरीज में बराबरी पर आना रहेगा। भारतीय टीम को दो मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट में 30 रनों से हार मिली थी जिससे वह इस सीरीज मे 1-0 से पीछे हैं। दूसरे टेस्ट में भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल का खेलना भी तय नहीं है क्योंकि पहले टेस्ट में उनकी गर्दन में अकड़न आ गयी थी। भारतीय टीम दूसरा टेस्ट हारती है तो उसके हाथ से सीरीज निकल जाएगी। एक रिपोर्ट के अनुसार ऐसे में उसे इस मैच में जीत के लिए बल्लेबाजी के साथ ही कई चीजों में सुधार करना होगा। पहले टेस्ट में भारतीय बल्लेबाज़ों ने कई बार ऐसे शॉट खेले जिनकी जरुरत नहीं थी। बिना रणनीति के बल्लेबाजी करना से भी टीम अधिक रन नहीं बना पायी। दूसरे टेस्ट में बल्लेबाजों को धैर्य, तकनीक और समझदारी दिखानी हुए बड़ा स्कोर बनाना होगा। पिछले कुछ समय से भारतीय बल्लेबाज़ स्पिन के खिलाफ संघर्ष कर रहे हैं। न्यूज़ीलैंड सीरीज़ से लेकर साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट तक यही समस्या दिखी। भारतीय हालातों में स्पिनर प्रभावी होते हैं। ऐसे में अगर भारतीय बल्लेबाज़ों ने स्पिन को ठीक से नहीं खेला तो उन्हें परेशानी का सामन करना पड़ेगा। इसके अलावा अच्छी शुरुआत करना रहेगा। पहले टेस्ट में भारतीय टीम शुरुआती झटकों से उबर नहीं पायी। शीर्ष क्रम के शुरुआत में आउट होने से मध्य क्रम दबाव में आ गया है। जिससे रन नहीं बने। इसके अलावा गेंदबाजों का भी बेहतर उपयोग करना होगा। पहले टेस्ट में भारतीय गेंदबाजी आक्रमण बिखरा नजर आया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

रॉयल मिंट ने जारी किया फ्रीडी मर्करी का विशेष सिक्का

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की रॉयल मिंट ने क्वीन बैंड के मशहूर फ्रंटमैन फ्रीडी मर्करी को समर्पित विशेष सिक्का जारी किया। यह स्मारक सिक्का उनके ऐतिहासिक लाइव एड (1985) प्रदर्शन के 40 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में पेश किया गया है। सिक्के पर मर्करी की उनकी पहचान बनने वाली मुद्रा पीछे की ओर झुका सिर और हाथ में माइक्रोफोन स्टैंड की छवि बनी है। यह सिक्का म्यूजिक लेजेंड्स कलेक्शन का हिस्सा है, जो संगीत प्रशंसकों और संग्रहकर्ताओं के बीच लोकप्रिय है।

पाकिस्तान में सुरक्षाबलों से मुठभेड़ में टीटीपी के 15 आतंकी ढेर

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के सुरक्षाबलों ने खैबर पख्तूनख्वा में दो अलग-अलग खुफिया आधारित अभियानों में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) से जुड़े 15 आतंकियों को मार गिराया। सेना के मुताबिक, 15 व 16 नवंबर को डेरा इस्माइल खान और उत्तरी वजीरिस्तान में अभियान चलाए गए अभियान में 10 आतंकियों को ढेर किया गया, इसमें कुंजी सरगना आलम महसूद भी शामिल था। उत्तरी वजीरिस्तान के दत्ता खेल क्षेत्र में पांच अन्य आतंकियों को मार गिराया गया। सभी विदेशी मदद से चल रहे नेटवर्क से जुड़े थे और कई हमलों में शामिल थे।

परमाणु पनडुब्बी मंजूरी पर भड़का उत्तर कोरिया, कहा-बेहद गंभीर

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की ओर से दक्षिण कोरिया को परमाणु संचालित पनडुब्बियां बनाने की हरी झंडी देने पर उत्तर कोरिया भड़क गया। उत्तर कोरिया ने अमेरिका के दक्षिण कोरिया को परमाणु-संचालित पनडुब्बियां विकसित करने की मंजूरी को बेहद गंभीर बताया। उसने कहा कि इससे क्षेत्र में परमाणु युद्ध की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। उत्तर कोरिया ने आरोप लगाया कि परमाणु पनडुब्बी परियोजना सियोल को परमाणु हथियार उपलब्ध कराने की रणनीतिक चाल है।

ताइवानी सीमा में फिर घुसे 13 विमान और सात युद्धपोत

ताइपे, एजेंसी। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि मंगलवार सुबह उसकी सीमा में 13 चीनी विमान और सात युद्धपोत देखे गए हैं। मंत्रालय के अनुसार, इनमें से सात विमान मध्य रेखा पार कर ताइवान के दक्षिण-पश्चिमी वायु क्षेत्र में घुसे। इससे ठीक एक दिन पहले इसी तरह की 18 सैन्य गतिविधियां दर्ज की गई थीं। ताइवान ने कहा कि वह हालात की निगरानी कर रहा है और जरूरत पड़ने पर जवाबी कार्रवाई करेगा।

सऊदी अरब को एफ-35 लड़ाकू विमान बेचेगा अमेरिका : ट्रंप

रियाद, एजेंसी। सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान की बहुप्रतीक्षित वाशिंगटन यात्रा की पूर्व संध्या पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को इस खाड़ी देश को एफ-35 लड़ाकू विमान बेचने का एलान किया है। वाशिंगटन पोस्ट के पत्रकार जमाल खशोगी की 2018 में हुई हत्या के बाद सऊदी अरब के नेता की यह पहली व्हाइट हाउस यात्रा होगी। सऊदी अरब खशोगी की हत्या में संलिप्तता से इन्कार करता रहा है। उनसे जब पूछा गया कि क्या वह सऊदी अरब को यह विमान बेचेंगे तो उन्होंने कहा, मैं कहूंगा कि हम ऐसा करेंगे।

नेपाल में शांति भंग के आरोप, दुर्गा प्रसाई गिरफ्तार

ढाका, एजेंसी। नेपाल में पुलिस ने राष्ट्र, राष्ट्रीयता, धर्म, संस्कृति और नागरिक बचाओ अभियान के संयोजक व मेडिकल व्यवसायी दुर्गा प्रसाई को गिरफ्तार कर लिया। जिला प्रशासन कार्यालय के मुताबिक, प्रसाई ने हिंसा को भड़काने वाली बयानबाजी की थी। पुलिस प्रवक्ता पवन कुमार भट्टराई ने बताया कि अदालत ने मंगलवार को प्रसाई की हिरासत अवधि चार दिन के लिए बढ़ाने की अनुमति दी है। प्रसाई ने सार्वजनिक शांति और सुरक्षा के लिए खतरा उत्पन्न करने वाली अभिव्यक्ति दी थी। उन्होंने 23 नवंबर को देशव्यापी आंदोलन की घोषणा की थी और इसके लिए तैयारी भी कर रहे थे। इससे पहले उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

फलस्तीनी शिविरों पर इस्राइली सेना ने ड्रोन से हमले किए, 11 लोगों की मौत

गाजा, एजेंसी। दक्षिणी लेबनान में एक फलस्तीनी शरणार्थी शिविर पर इस्राइली सेना ने हवाई हमला किया। इसमें 11 लोग मारे गए और चार घायल हो गए। लेबनान के सरकारी मीडिया और स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि मंगलवार को ड्रोन हमला तटीय शहर सिडोन के बाहरी इलाके में किया गया। इस्राइली सेना ने ड्रोन से आइन अल-हिल्वे शरणार्थी शिविर में एक मस्जिद की पार्किंग में खड़ी एक कार को निशाना बनाया।

बांग्लादेश को दूसरा आतंकी मुल्क बनने से रोके भारत, हसीना के 'सांसदों' ने खुलकर मांगी मदद

ढाका, एजेंसी। ढाका में अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरणद्वारा पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को मानवता के खिलाफ अपराध के आरोपों में मौत की सजा सुनाए जाने के एक दिन बाद, अवामी लीग के वे शीर्ष नेता खुलकर सामने आ गए हैं। ये लोग वर्तमान में अज्ञात स्थानों पर निर्वासन में जी रहे हैं। उन्होंने कहा है कि वे तभी बांग्लादेश लौटेंगे जब- राजनीतिक समावेशन सुनिश्चित होगा और उनके खिलाफ दर्ज मामलों में न्यायिक राहत मिलेगी। साथ ही, उन्होंने उम्मीद जताई कि भारत हसीना को शरण, सम्मान और सुरक्षा देना जारी रखेगा।

सैकड़ों नेता निर्वासन में, हजारों कार्यकर्ता जेल में : 'द इंडियन एक्सप्रेस' से बात करने वाले कई अवामी लीग नेताओं और पूर्व सांसदों ने बताया कि पार्टी के लगभग सौ से अधिक नेता विदेशों में रह रहे हैं और इतने ही नेता एवं हजारों कार्यकर्ता बांग्लादेश में जेलों में बंद हैं। चार बार के सांसद नाहिम रज्जाक ने कहा कि सरकार द्वारा अवामी लीग को पूरी तरह समाप्त करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि यूनुस सरकार पार्टी पर प्रतिबंध, नेताओं पर आपराधिक मुकदमे, परिवारों को निशाना बना रही है और बैंक खातों पर रोक लगा रही है। उन्होंने कहा कि शेख हसीना के खिलाफ आया यह फैसला उन्हें और अधिक प्रेरित कर रहा है। रज्जाक ने कहा- वापस जाना चुनौतीपूर्ण है, लेकिन अगर पार्टी पर लगा प्रतिबंध हटे और हमें जमानत मिले, तो हमारा पूरा नेतृत्व और कैडर संघर्ष के लिए तैयार है।

'यूनुस सरकार जल्द गिरेगी : सभी नेताओं का मानना है कि प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार अधिक दिन टिक नहीं पाएगी। पूर्व वस्त्र एवं जूट मंत्री जाहिद नानक ने कहा कि यूनुस के नेतृत्व में होने वाला कोई भी चुनाव विश्वसनीय नहीं होगा। उन्होंने साफ कहा कि यूनुस को इस्तीफा देना ही होगा। अवामी लीग के वरिष्ठ नेताओं ने स्पष्ट कर दिया है कि हम उनके नेतृत्व में होने वाले किसी भी चुनाव में हिस्सा नहीं लेंगे।

भारत से बड़ी अपेक्षाएं : 71 वर्षीय नानक ने भारत से यह उम्मीद जताई कि वह बांग्लादेश को दूसरा आतंकी या इस्लामिक स्टेट जैसा राष्ट्र बनने से रोकेगा। उन्होंने कहा कि भारत को हमारे साथ खड़ा होना होगा। आईटीसी का गठन करने और प्रधानमंत्री को गैर-कानूनी तरीके से मौत की सजा सुनाने वाली इस अंतरिम सरकार के खिलाफ हमारी लड़ाई में भारत को सहायता करनी चाहिए।

'हसीना के बिना चुनाव नहीं' : तीन बार सांसद रहे पंकज नाथ ने कहा कि हसीना को दी गई मौत की सजा से सभी स्तब्ध हैं। उन्होंने दावा किया कि हसीना की अनुपस्थिति में कोई भी चुनाव स्वीकार्य नहीं होगा। जनता भी ऐसे चुनाव में भाग नहीं लेगी। नाथ ने जेल में बंद नेताओं और कार्यकर्ताओं को सामान्य माफी देने की मांग की और कहा कि जल्द ही बांग्लादेश में एक बड़ा जनउभार हो सकता है। उन्होंने कहा कि हमें विश्वास है कि भारत अपने पड़ोस में ऐसे अत्याचार को नहीं होने देगा।

हसीना का संदेश: 'यूनुस सरकार को उखाड़ फेंको' : अवामी लीग कार्यकारी समिति के संयुक्त सचिव और पूर्व सांसद बहाउद्दीन नसीम ने बताया कि शेख हसीना निर्वासन में होने के बावजूद इंटरनेट कॉल्स और मैसेजिंग ऐप्स के जरिए नेताओं से लगातार संपर्क में हैं। मौत की सजा सुनाए जाने के कुछ घंटे बाद भी उन्होंने नेतृत्व को संदेश भेजा।

नसीम के अनुसार, उनका संदेश बिल्कुल स्पष्ट था - यह फैसला असंवैधानिक है, और इस सरकार को उखाड़ फेंकना चाहिए। नसीम ने कहा कि यदि शेख हसीना चुनाव लड़ने का आह्वान करें, और यदि प्रतिबंध हटे तथा प्रमुख नेताओं को रिहा किया जाए, तो अवामी लीग उनके नेतृत्व में चुनाव लड़ेगी। लेकिन इसके लिए निष्पक्ष और समान अवसर वाला माहौल होना आवश्यक है। शेख हसीना के खिलाफ मौत की सज़ा ने न केवल राजनीतिक टकराव को गहरा कर दिया है, बल्कि दक्षिण एशिया की रणनीतिक स्थिरता के लिए भी नए सवाल खड़े कर दिए हैं।

सिडनी में भारतीय मूल की प्रेगनेंट महिला की दर्दनाक मौत

सिडनी, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया में भारतीय मूल की एक महिला की दर्दनाक मौत हो गई। महिला 8 महीने की प्रेगनेंट थी और कुछ ही दिनों में उसकी डिलीवरी होने वाली थी। हालांकि हादसे में उसे और बच्चे को बचाया नहीं जा सका। 9 न्यूज की एक रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारियों ने बताया कि सिडनी के हॉर्न्सबी में एक तेज रफ्तार बीएमडब्ल्यू की चपेट में आने से 33 वर्षीय भारतीय मूल की आठ महीने की गर्भवती महिला और उसके अजन्मे बच्चे की मौत हो गई।

रिपोर्ट्स के मुताबिक घटना के पीड़िता, समन्वय धारेश्वर अपने पति और अपने 3 साल के बेटे के साथ पैदल जा रही थी। न्यू साउथ वेल्स पुलिस ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि जब वे सड़क पर कर रहे थे, तब एक किआ कार्निवल ने परिवार को फुटपाथ पार करने देने के लिए अपनी गति धीमी कर ली थी। हालांकि तभी 19 वर्षीय युवक आरोन पापाजोग्लू द्वारा चलाई जा रही एक बीएमडब्ल्यू सेडान कथित तौर पर किआ से टकरा गई, जिससे वह आगे की ओर उछल गई और धारेश्वर से जोर से टकरा गई।

पुलिस ने बताया कि इमरजेंसी सर्विसेज तुरंत मौके पर पहुंची और पैरामेडिक्स ने घटनास्थल पर ही उसका इलाज किया, उसके बाद उसे वेस्टमीड अस्पताल ले जाया गया। हालांकि तमाम कोशिशों के बावजूद, धारेश्वर और उसके अजन्मे बच्चे, दोनों को बचाया नहीं जा सका। वहीं घटना में घायल हुए आरोपी को प्राथमिक इलाज के बाद गिरफ्तार कर लिया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक 19 वर्षीय युवक को हॉर्न्सबी पुलिस स्टेशन ले जाया गया और उस पर खतरनाक तरीके से गाड़ी चलाने, लापरवाही बरतने और एक गर्भवती महिला की मृत्यु के आरोप लगाए गए हैं।

एपस्टीन ईमेल के बाद यूएस के पूर्व ट्रेजरी सचिव का इस्तीफा

न्यूयार्क, एजेंसी। पूर्व अमेरिकी वित्त मंत्री (ट्रेजरी सचिव) लैरी समर्स ने पद छोड़ने का एलान किया है। समर्स हार्वर्ड विश्वविद्यालय के पूर्व अध्यक्ष भी रह चुके हैं। उन्होंने ये फैसला जेफरी एपस्टीन से जुड़े मामले में नाम सामने आने के बाद लिया है। समर्स ने कहा, 'अपने सबसे करीबी लोगों के साथ विश्वास फिर से बहाल करने और रिश्ते सुधारने' के लिए उन्होंने सार्वजनिक प्रतिबद्धताओं से पीछे हटने का फैसला लिया है। दरअसल, एपस्टीन से जुड़ा ईमेल जारी होने के बाद पता चला है कि समर्स को साल 2008 में एक नाबालिग लड़की से वेश्यावृत्ति के लिए उकसाने का दोषी ठहराया गया। इसके बाद भी समर्स और एपस्टीन के मैत्रीपूर्ण संबंध लंबे समय तक बने रहे। समर्स ने कहा, 'मुझे अपने किए पर बहुत शर्म आती है। मैं उस दर्द को समझता हूं जो उन्होंने मुझे पहुंचाया है। मैं एपस्टीन के साथ संवाद जारी रखने के अपने गलत फैसले की पूरी ज़िम्मेदारी लेता हूं।' हालांकि, समर्स ने यह स्पष्ट नहीं किया वह पढ़ाना जारी रखेंगे या वहां से भी पीछे हट जाएंगे। बता दें कि एपस्टीन पर नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण और तस्करी के आरोपों से जुड़े मुकदमे चलाने की तैयारियां हो रही थीं, लेकिन 2019 में उन्होंने मैनहट्टन जेल में कथित तौर पर आत्महत्या कर ली थी। ये भी दिलचस्प है कि समर्स की इस घोषणा से कुछ ही दिन पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल प्लेटफॉर्म पर लिखा था कि वह न्याय विभाग और एफबीआई से समर्स के एपस्टीन, पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन और रीड हॉफमैन (लिंक्डइन के संस्थापक और डेमोक्रेट समर्थक) के साथ संबंधों की जांच करने के लिए कहेंगे।

ट्रंप के बेटे ने लगाया बड़ा आरोप- भारतीयों से नफरत करते हैं जोहरान ममदानी

न्यूयॉर्क, एजेंसी। न्यूयॉर्क सिटी के नव-निर्वाचित मेयर जोहरान ममदानी को लेकर अमेरिका में राजनीतिक बहस तेज होती जा रही है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बेटे और ट्रंप ऑर्गनाइजेशन के एग्जीक्यूटिव वाइस-प्रेसिडेंट एरिक ट्रंप ने एक बार फिर ममदानी की कड़े शब्दों में आलोचना की है। फॉक्स न्यूज के होस्ट शॉन हनिटी से बातचीत में एरिक ट्रंप ने ममदानी पर अतिवामपंथी एजेंडा चलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि ममदानी की विचारधारा न्यूयॉर्क जैसे बड़े अमेरिकी शहरों को बर्बाद कर रही है। उन्होंने कहा कि ममदानी भारतीयों से नफरत करते हैं। एरिक ने दावा किया कि- ममदानी सोशलिस्ट... कम्युनिस्ट... हैं जो किराना स्टोर्स का राष्ट्रीयकरण करना चाहते हैं, नेतन्याहू को गिरफ्तार करना चाहते हैं, यहूदी समुदाय से नफरत करते हैं

और भारतीय आबादी से भी नफरत करते हैं। उन्होंने कहा कि ममदानी की नीतियां निगमों और रोजगार के अवसरों को नुकसान पहुंचा रही हैं। एरिक ट्रंप के अनुसार- न्यूयॉर्क कभी दुनिया का सबसे बेहतरीन शहर था, लेकिन आज यह अपनी चमक खो रहा है- और इसकी वजह है बुरी राजनीति। उन्होंने कहा कि ममदानी को सड़कों की सुरक्षा, शहर की सफाई और उचित टैक्स जैसे मूल मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए, न कि सरकारी दखल बढ़ाने पर। एलेक्जेंड्रिया ओकासियो-कोर्टेज से भी जोड़ा मामला एरिक ट्रंप ने ममदानी की तुलना कांग्रेसवुमन एओसी से करते हुए कहा कि उनके विरोध के कारण ही अमेजॉन का प्रस्तावित मुख्यालय न्यूयॉर्क नहीं आया, जिससे हजारों उच्च वेतन वाली नौकरियां शहर के हाथ से निकल गईं। इस चर्चा से पहले एरिक ट्रंप ने टर्निंग पॉइंट यूएसए के कार्यक्रम में भी ममदानी को पागलपन भरी वामपंथी नीतियों वाला व्यक्ति बताते हुए कहा था कि एक कम्युनिस्ट के हाथों शहर का शासन विनाशकारी होगा। अपने चुनावी विजय भाषण में ममदानी ने सीधे डोनाल्ड ट्रंप को संबोधित करते हुए कहा था- डोनाल्ड ट्रंप, मुझे पता है आप देख रहे हैं- वॉल्यूम बढ़ाइए। उन्होंने आगे कहा कि अगर कोई जगह यह दिखा सकती है कि ट्रंप जैसे नेता से निराश देश कैसे उनसे आगे बढ़ता है, तो वह जगह है- वही शहर जिसने उन्हें जन्म दिया न्यूयॉर्क। राजनीतिक टकराव और समुदायों में हलचल एरिक ट्रंप के आरोपों ने न्यूयॉर्क के भारतीय और दक्षिण एशियाई समुदायों में बहस छेड़ दी है। ममदानी लंबे समय से प्रगतिशील राजनीति का हिस्सा रहे हैं और भारतीय व आप्रवासी समुदायों में लोकप्रिय चेहरे माने जाते हैं। हालांकि ममदानी की ओर से एरिक ट्रंप के इन आरोपों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन विशेषज्ञ मानते हैं कि आने वाले महीनों में यह राजनीतिक टकराव और तेज हो सकता है।

'भारतीय महिला को परेशान करना बंद करे', लाहौर हाईकोर्ट ने सरबजीत को पुलिस उत्पीड़न से दी सुरक्षा

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान के एक हाईकोर्ट ने मंगलवार को पुलिस को भारतीय सिख महिला सरबजीत को परेशान करना बंद करने का आदेश दिया। महिला ने इस्लाम धर्म अपनाकर स्थानीय मुस्लिम व्यक्ति से शादी कर ली थी। महिला की मुस्लिम व्यक्ति नासिर हुसैन से मित्रता सोशल मीडिया पर हुई थी। सरबजीत कौर (48) 2,000 सिख तीर्थयात्रियों के साथ महीने की शुरुआत में गुरु नानक जयंती उत्सव में शामिल होने के लिए भारत से वाघा सीमा के रास्ते पाकिस्तान में दाखिल हुई थी। तीर्थयात्री 13 नवंबर को घर

लौट आए, लेकिन सरबजीत लापता हो गई थी। लाहौर में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बाद में बताया कि सरबजीत ने चार नवंबर को पाकिस्तान पहुंचने के एक दिन बाद लाहौर से लगभग 50 किलोमीटर दूर शेखूपुरा जिले के नासिर हुसैन से शादी कर ली। मंगलवार को सरबजीत और नासिर ने लाहौर हाईकोर्ट में एक याचिका दायर कर शिकायत की कि पुलिस ने शेखूपुरा के फारूकाबाद स्थित उनके घर पर अवैध रूप से छापा मारा और उन पर शादी तोड़ने का दबाव डाला।

यूक्रेन युद्ध खत्म करने के लिए 28-बिंदुओं की योजना बना रहा ट्रंप प्रशासन, रूस के साथ गोपनीय चर्चा जारी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनका प्रशासन यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए रूस के साथ गोपनीय तरीके से 28-बिंदुओं वाली योजना तैयार कर रही है। एक्सिओस ने यह रिपोर्ट रूसी अधिकारियों के हवाले से दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, डोनाल्ड ट्रंप की यह नई योजना 20-बिंदुओं वाली गाजा शांति योजना से प्रेरित है। एक वरिष्ठ रूसी अधिकारी के अनुसार, ट्रंप इस योजना को लेकर आशावादी हैं। योजना में चार मुख्य बिंदु शामिल होंगे- यूक्रेन में शांति, सुरक्षा गारंटी, यूरोप में सुरक्षा और अमेरिका के रूस और यूक्रेन के साथ भविष्य के संबंध। हालांकि, यह अभी स्पष्ट नहीं है कि यह शांति योजना पूर्वी यूक्रेन के कुछ क्षेत्रों में रूस के क्षेत्रीय नियंत्रण जैसे बड़े मुद्दों को कैसे संभालेगी। योजना तैयार करने की जिम्मेदारी पश्चिम एशिया के लिए अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ पर है। रिपोर्ट के मुताबिक, विटकॉफ ने इस योजना पर रूसी प्रतिनिधि किरील दिमित्रीव के साथ विस्तार से चर्चा की है। दिमित्रीव ने एक्सिओस को बताया कि उन्होंने अक्तूबर 24-26 के बीच मियामी में विटकॉफ और ट्रंप प्रशासन के अन्य अधिकारियों के साथ तीन दिन बिताए। उन्होंने कहा कि इस बार उन्हें लगता है कि रूसी पक्ष की बात सच में सुनी जा रही है, इसलिए इस इस समझौते के सफल होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि यह योजना केवल यूक्रेन संघर्ष पर नहीं, बल्कि रूस की सुरक्षा चिंताओं और रूस-अमेरिका संबंधों को सुधारने पर फोकस करती है। उन्होंने कहा, यह वास्तव में एक बहुत व्यापक ढांचा है, जो कहता है कि कैसे हम आखिरकार यूरोप को स्थायी सुरक्षा दें, केवल यूक्रेन को नहीं। यूक्रेन के एक अधिकारी ने पुष्टि की कि उन्हें इस योजना की जानकारी है, क्योंकि विटकॉफ ने इस पर राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रुस्तेम उमेरोव के साथ भी इस हफ्ते चर्चा की। वहीं, अमेरिका के एक अधिकारी ने कहा कि अमेरिका ने इस योजना के बारे में यूरोपीय अधिकारियोंको भी जानकारी देना शुरू कर दिया है। यह योजना ऐसे समय में सामने आई है, जब ट्रंप अलास्का में रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन के साथ शिखर बैठक के बाद यूक्रेन युद्ध को खत्म करने के लिए प्रयास कर रहे हैं।

मां बांग्लादेश न छोड़तीं तों... : शेख हसीना के बेटे वाजेब बोले- जान बचाने के लिए मोदी सरकार का आभारी रहूंगा

वर्जीनिया, एजेंसी। बांग्लादेश में अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को मौत की सजा सुनाई गई है। इस बीच हसीना फिलहाल सुरक्षित भारत में मौजूद हैं। भारत की तरफ से अपदस्थ पीएम को इस तरह सुरक्षा दिए जाने पर शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद ने बुधवार को न्यूज एजेंसी एएनआई को दिए इंटरव्यू में भारत सरकार की तारीफ की है और कहा है कि वे इसके लिए पीएम मोदी की सरकार के आभारी रहेंगे। अमेरिका के वर्जीनिया में रह रहे सजीब ने कहा, 'भारत हमेशा से एक अच्छा दोस्त रहा है। संकट के समय भारत ने मेरी मां की जान बचाई है। अगर वो बांग्लादेश नहीं छोड़तीं, तो उग्रवादियों ने उनकी हत्या की योजना बना ली होती। इसलिए मैं अपनी मां की जान बचाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी की सरकार का हमेशा आभारी रहूंगा।'

शेख हसीना के बेटे ने बांग्लादेश की न्यायिक प्रक्रिया पर उठाए सवाल : शेख हसीना के प्रत्यर्पण पर सजीब ने कहा, 'प्रत्यर्पण के लिए न्यायिक प्रक्रिया का पालन करना जरूरी है। बांग्लादेश में एक अनिर्वाचित, असंवैधानिक और अवैध सरकार है। मेरी मां को दोषी ठहराने के लिए, उनके मुकदमे की सुनवाई तेज करने के लिए कानूनों में संशोधन किया गया। यानी इन कानूनों में अवैध रूप से संशोधन किया गया। मेरी मां को अपने बचाव पक्ष के वकील नियुक्त करने की अनुमति नहीं थी। ट्रायल से पहले ही अदालत के 17 जजों को बर्खास्त कर दिया गया, नए जज नियुक्त किए गए, जिनमें से कुछ को बेंच पर काम करने का बिल्कुल भी अनुभव नहीं था और वे राजनीतिक रूप से जुड़े हुए थे। इसलिए, कोई उचित प्रक्रिया नहीं थी। प्रत्यर्पण के लिए उचित प्रक्रिया का होना आवश्यक है।

अमेरिका से दबाव के सवाल पर क्या बोले सजीब : अमेरिकी सरकार की

ओर से उन पर कोई दबाव बनाए जाने के सवाल पर शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद ने कहा, 'नहीं, हमें किसी भी तरह की कोई धमकी नहीं मिली है। बस एक मामूली समस्या यह थी कि अमेरिका एकमात्र ऐसा देश था, जिसने हमारे 2024 के चुनावों पर नकारात्मक बयान जारी किया था। इसके अलावा, चुनावों को सभी ने शांतिपूर्ण माना था। इसलिए कोई सीधा दबाव नहीं था। अब, अमेरिका में एक बिल्कुल नई सरकार है। स्थिति पूरी तरह से अलग है। हमने दृष्टिकोण में एक बहुत ही स्पष्ट बदलाव देखा है। राष्ट्रपति ट्रंप ने खुद इस साल की शुरुआत में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में घोषणा की थी कि पिछले प्रशासन ने यूएसएआईडी के माध्यम से बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन पर लाखों डॉलर खर्च किए थे। वह पिछले साल हुए विरोध प्रदर्शनों का जिक्र कर रहे थे। अमेरिका का रवैया निश्चित रूप से बदल गया है, और वे बांग्लादेश में आतंकवाद के खतरे और इस्लामवाद के उदय को लेकर पिछले प्रशासन से कहीं ज्यादा चिंतित हैं।'

'यूनुस की अंतरिम सरकार के पास बिल्कुल समर्थन नहीं': सजीब वाजेद ने आगे बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, 'अगर मोहम्मद यूनुस लोकप्रिय होते, तो वे चुनाव क्यों नहीं कराते और फिर देश को वैधता से क्यों नहीं चलाते? वे डेढ़ साल से बिना चुनाव कराए सत्ता में बने हैं। असल में उनके पास बिल्कुल भी जनसमर्थन नहीं है। छात्रों की तरफ से गठित राजनीतिक दल- एनसीपी (नेशनल सिटिजन पार्टी), बांग्लादेश में हुए सभी चुनावों में 2% वोट हासिल कर रही है। उनकी लोकप्रियता कभी भी 2% से ऊपर नहीं गई। यूनुस और छात्रों की पार्टी की लोकप्रियता लगभग न के बराबर है। इसलिए वे बिना चुनाव के सत्ता में बने हुए हैं। उन्होंने आगे कहा, 'हमारी सरकार की नीति सभी देशों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध रखने की रही है। हमने चीन, भारत और अमेरिका के साथ व्यापारिक संबंध बनाए रखे। यूनुस सरकार चीन के और करीब आने की कोशिश कर रही है। उन्होंने चीन की कई राजकीय यात्राएं की हैं। यहां तक कि हमारी विपक्षी पार्टी, बीएनपी, भी चीन से सीधे संपर्क साध रही है। हमारे लिए, बेल्ट एंड रोड पहल बस परिवहन को सुगम बनाने के लिए एक आर्थिक पहल थी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

समय सीमा तय नहीं, लेकिन राज्यपाल किसी भी बिल को रोक नहीं सकते: सुप्रीम कोर्ट

प्रेसिडेंशियल रेफरेंस मामले में संविधान पीठ का ऐतिहासिक फैसला

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने प्रेसिडेंशियल रेफरेंस मामले पर गुरुवार को ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए राज्यपालों की विधायी शक्तियों और उनकी सीमाओं को स्पष्ट करते हुए कहा- राज्यपाल के पास यह अधिकार नहीं कि वह किसी विधेयक को रोककर रखें। सीजेआई बीआर गवई की अध्यक्षता वाली संविधान पीठ ने कहा, कि राज्यपाल के पास बिल पर निर्णय लेने के केवल तीन ही संवैधानिक विकल्प हैं, पहला मंजूरी देना, दूसरा राष्ट्रपति के पास भेजना और तीसरा विधानसभा को वापस भेजना। इस प्रकार राज्यपाल किसी बिल को बिना निर्णय के लंबित नहीं रख सकते, ऐसा करने का उनके पास कोई संवैधानिक आधार नहीं है।

इसी के साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपाल को किसी भी बिल पर निर्णय देने की समय-सीमा तय करने की मांग को खारिज कर दिया। सीजेआई गवई ने कहा, संवैधानिक रूप से अनुच्छेद 200 और 201 में लचीलापन डिज़ाइन किया गया है। इसलिए अदालत या विधानमंडल किसी निश्चित समयसीमा को राज्यपाल या राष्ट्रपति पर थोप नहीं सकते। इसी के साथ सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में स्पष्ट किया, कि राज्यपालों के पास विधानसभा से पारित विधेयकों पर रोक लगाने का अधिकार नहीं है। दरअसल, यह मामला तमिलनाडु राज्यपाल और राज्य सरकार के बीच हुए विवाद का था। राज्यपाल ने यहां राज्य सरकार के बिल रोक रखे थे। इस मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने इसी वर्ष 8 अप्रैल को कहा था, कि राज्यपाल के पास कोई वीटो पावर नहीं है। इसी के साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने कहा था, कि राज्यपाल की ओर से भेजे गए बिल पर राष्ट्रपति को तीन माह के अंदर फैसला लेना होगा। यह आदेश 11 अप्रैल को सामने आया, जिस पर राष्ट्रपति ने चिंता भी जाहिर की थी और सुप्रीम कोर्ट से राय मांगी और 14 सवाल पूछे थे।

अब अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा है, कि राज्यपाल किसी भी बिल को मंजूरी देने के लिए उसे अनिश्चितकाल तक के लिए लंबित नहीं रख सकते हैं।

अनमोल बिश्नोई की जेल में करवटें बदलते हुए बीती रात, बेचैन दिखा गैंगस्टर

डिपोर्ट कर कोर्ट में किया था पेश, अब 11 दिन तक रहेगा एनआईए की हिरासत में

नई दिल्ली

गैंगस्टर अनमोल बिश्नोई को डिपोर्ट कर भारत लाया गया है। अमेरिका की धरती से भारत के खिलाफ आतंकी साजिश रचने वाले गैंगस्टर को अमेरिका से लाने के बाद सीधे कोर्ट में पेश किया गया और 11 दिन की एनआईए की हिरासत में भेज दिया है। जेल में अनमोल बिश्नोई से एनआईए पूछताछ करेगी। अनमोल की जेल में रातें काफी दर्द भरी रहीं। वह रातभर जेल में करवटें बदलता रहा। बता दें एनआईए ने मंगलवार को गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के छोटे भाई अनमोल बिश्नोई को अमेरिका से प्रत्यर्पण कर भारत पहुंचते ही गिरफ्तार कर लिया था। 2022 से फरार अनमोल को एनआईए के 'मोस्ट वांटेड' लिस्ट पर 10 लाख रुपए का इनाम घोषित किया था। वह लॉरेंस के टेरर सिंडिकेट से जुड़ा 19वां आरोपी है। अमेरिकी होमलैंड सिक्योरिटी डिपार्टमेंट ने मंगलवार को बाबा सिद्दीकी हत्याकांड के शिकायतकर्ता जीशान सिद्दीकी को ईमेल भेजकर डिपोर्टेशन की जानकारी दी। ईमेल में लिखा- अनमोल बिश्नोई को अमेरिकी सरकार द्वारा देश से बाहर किया गया है। यह कार्रवाई 18 नवंबर 2025 को हुई थी।

अनमोल को नवंबर 2024 में कैलिफोर्निया के सैक्रामेंटो में अवैध प्रवेश के आरोप में गिरफ्तार किया था, जहां एफबीआई ने डीएनए और वॉयस सैंपल से उसकी पहचान की। उसके बाद लंबी डिपोर्टेशन प्रक्रिया चली। मार्च 2023 में एनआईए ने लॉरेंस बिश्नोई के नेतृत्व में टेरर-गैंगस्टर साजिश मामले में अनमोल के खिलाफ 1200 पेज की चार्जशीट दाखिल की थी। एनआईए की जांच में पता चला है कि 2020 से 2023 के बीच अनमोल ने गोल्डी बराड़ और लॉरेंस के इशारों पर भारत में कई आतंकी वारदातों को अंजाम दिया। वह अमेरिका से ही गैंग को ऑपरेट करता था। वह शूटरों को शरण, हथियार और लॉजिस्टिक सप्लाई कराता था। पंजाब के फाजिल्का जिले का रहने वाला अनमोल नेपाल, दुबई और केन्या के रास्ते अप्रैल 2022 में फर्जी पासपोर्ट पर अमेरिका भाग गया था।

सेना पर अपमानजनक टिप्पणी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने दी राहुल गांधी को राहत

ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर लगी अंतरिम रोक को 4 दिसंबर तक बढ़ाया

नई दिल्ली सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ चल रहे एक मामले में राहत दी है। कोर्ट ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर साल 2022 में भारत जोड़ो यात्रा के दौरान सेना पर कथित अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप है। बता दें सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर लगी अंतरिम रोक को 4 दिसंबर तक बढ़ा दिया है। दो जजों की पीठ जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा ने यह फैसला लिया। कोर्ट ने सुनवाई यह कहते हुए टाल दी कि सुनवाई टालने के लिए एक लेटर भेजा गया था। बता दें यह पूरा मामला राहुल गांधी की कथित टिप्पणी से जुड़ा है, जिसको लेकर आरोप लगे हैं कि कांग्रेस नेता ने सेना का अपमान किया है। राहुल गांधी ने 29 मई के इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी है, जिसमें हाईकोर्ट ने राहुल गांधी की उस याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें उन्होंने लखनऊ की ट्रायल कोर्ट की ओर से जारी समन को रद्द करने की मांग की थी। बता दें इससे पहले अगस्त में हुई सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट की आगे की कार्यवाही पर रोक लगाने का आदेश दिया था। वहीं, यूपी की योगी सरकार और शिकायतकर्ता से जवाब मांगा था। हालांकि उसी दौरान कोर्ट ने पूछा था कि उन्होंने कैसे यह कह दिया कि 2000 वर्ग किलोमीटर भारतीय भूमि चीन के कब्जे में है। कोर्ट ने यह भी पूछा कि क्या आप वहां पर मौजूद थे? कोर्ट ने कहा था कि अगर आप सच्चे भारतीय होंगे, तो ऐसे बयान कभी नहीं देंगे।

अगले साल अपना रिकॉर्ड 17वां बजट भी पेश करुंगा: सिद्धारमैया

बेंगलुरु

कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया ने संकेत दिया है कि वह अपने पद पर बने रहेंगे और अगले साल अपना रिकॉर्ड 17वां बजट पेश करेंगे। सिद्धारमैया, जिनके पास वित्त मंत्रालय भी है। वह बुधवार को एलजी हवनूर की स्वर्ण जयंती कार्यक्रम में पिछड़े वर्ग आयोग की पहली रिपोर्ट पेश किए जाने की वर्षगांठ मनाई गई। सिद्धारमैया ने कहा कि जब मैं पहली बार वित्त मंत्री बना था, तब एक अखबार ने लिखा था- यह सिद्धारमैया सौ भेड़ें भी नहीं गिन सकता, कर्नाटक का वित्त मंत्री कैसे बनेगा। मैंने इसे चुनौती के रूप में लिया...और आज मैंने 16 बजट पेश किए हैं। 17वां बजट मैं ही पेश करूंगा।

उनकी इस लाइन पर कार्यक्रम में जोरदार तालियां बजीं। 2026-27 का बजट अगले साल मार्च में पेश होना है, जिसके लिए तैयारी शुरू भी हो चुकी है। सिद्धारमैया का यह बयान ऐसे समय पर आया है जब राज्य में नेतृत्व बदलाव की अटकलें तेज हैं, क्योंकि नवंबर में कांग्रेस सरकार अपने पांच साल के कार्यकाल का आधे रास्ता तय कर रही है।

अब यूपी में मदरसों के टीचरों की हाजिरी बायोमेट्रिक सिस्टम से होगी

जिला प्रशासन ने कहा- नए सिस्टम को अपनाएं, अनियमितता न होने दें

अलीगढ़

यूपी में अलीगढ़ जिला प्रशासन ने सभी मदरसा शिक्षकों के लिए बायोमेट्रिक सिस्टम के जरिए हाजिरी दर्ज करना अनिवार्य कर दिया है। अधिकारियों ने बताया कि यह फैसला प्रदेश सरकार के निर्देश पर लिया गया है। जिला मजिस्ट्रेट संजीव रंजन ने बताया कि अब मदरसा शिक्षकों की सैलरी उनके बायोमेट्रिक हाजिरी रिकॉर्ड के आधार पर तैयार की जाएगी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जिला मजिस्ट्रेट ने बताया कि बायोमेट्रिक सिस्टम का उद्देश्य शिक्षकों की नियमित उपस्थिति तय करना और पारदर्शिता बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था लागू होने से यह तय होगा कि शिक्षक अपनी ड्यूटी समय पर निभाएं और किसी प्रकार की उपस्थिति में गड़बड़ी न हो। अलीगढ़ जिला प्रशासन ने यह भी साफ किया कि मदरसों में बायोमेट्रिक हाजिरी की यह व्यवस्था सभी सरकारी और रजिस्टर्ड मदरसों पर लागू होगी।

शिक्षक अब हाजिरी दर्ज करने के लिए बायोमेट्रिक मशीनों का इस्तेमाल करेंगे, जिसमें फिंगरप्रिंट या आईडी कार्ड आधारित लॉगिन शामिल हो सकता है। अधिकारियों ने कहा कि इस कदम से प्रशासन को शिक्षकों की हाजिरी और कार्य की निगरानी में आसानी होगी। एक सवाल के जवाब में जिला मजिस्ट्रेट ने कहा कि जिले में गैर-कानूनी मदरसों की पहचान करने का काम अभी रुका है। अधिकारियों ने यह नहीं बताया कि बिना रजिस्ट्रेशन वाले मदरसों की जांच फिर से कब शुरू होगी। जिला प्रशासन ने सभी मदरसों से अनुरोध किया है कि वे इस नए सिस्टम को पूरी तरह अपनाएं और किसी प्रकार की अनियमितता न होने दें।

जिस प्रक्रिया में तीन साल लगते हैं, उसे 2 महीने में पूरा करने का दिया आदेश

एसआईआर पर ममता ने फिर जताई चिंता, अब तक जा चुकी है 28 की जान

कोलकाता

पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने फिर एसआईआर की प्रक्रिया पर चिंता जताई। उनका कहना है कि यह पूरा कामकाज इतना भारी और दबाव भरा है कि अब तक 28 लोगों की जान जा चुकी है। ममता का आरोप है कि चुनाव से ठीक पहले इस प्रक्रिया को तेज करके जमीनी स्तर पर काम करने वालों को खतरे में डाला जा रहा है।

ताजा मामला जलपाईगुड़ी के माल इलाके से सामने आया है। यहां बीएलओ, शांति मुनी एक्का ने लगातार बढ़ते काम के दबाव और मानसिक तनाव के चलते आत्महत्या कर ली। शांति एक आदिवासी महिला थीं और आंगनवाड़ी में काम करती थी। उनके बारे में बताया जा रहा है कि एसआईआर के दौरान उन पर इतना बोझ था कि वे उसे सह नहीं सकीं। सीएम ममता ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा कि उन्हें यह घटना बेहद दुखी और हैरान करने वाली लगी। उन्होंने लिखा कि एसआईआर शुरू होने के बाद अब तक 28 लोगों की मौत हो चुकी है। कोई डर की वजह से कोई अनिश्चितता की वजह से और कई लोग काम के ओवरलोड की वजह से।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबकि सीमए ममता का आरोप है कि यह सब एक अनियोजित तरीके से चल रहे काम की वजह से हो रहा है और जिम्मेदारी तय किए बिना जमीनी कर्मचारियों पर अमानवीय बोझ डाल दिया है। उन्होंने कहा कि जिस प्रक्रिया को पूरा होने में आमतौर पर तीन साल लगते हैं, उसे अचानक सिर्फ 2 महीने में पूरा करने का आदेश दिया जा रहा है। सीएम ममता के मुताबिक एसआईआर को चुनाव से ठीक पहले तेज कर दिया गया है, और इस जल्दबाजी का मकसद सिर्फ राजनीतिक स्वार्थ पूरा करना है।

बांग्लादेश के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रहमान ने एनएसए डोभाल को ढाका बुलाया

नई दिल्ली

बांग्लादेश के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) डॉ.खलील उर रहमान ने अपने भारतीय समकक्ष अजीत डोभाल से मुलाकात के दौरान उन्हें ढाका आने का आधिकारिक निमंत्रण दिया। अंतरिम सरकार बनने के बाद यह भारत के साथ पहली सबसे उच्च स्तरीय सुरक्षा वार्ता है, जो दोनों देशों के बीच संबंधों के महत्व को दर्शाती है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार लगातार भारत से पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल को वापस भेजने की मांग कर रही है। दोनों को बांग्लादेश की अदालत ने मौत की सज़ा सुनाई है।

बांग्लादेश का विदेश मंत्रालय भारत-बांग्लादेश प्रत्यर्पण संधि का हवाला दे रहा है, जिसके तहत उनका कहना है कि भारत इन दोषियों को सौंपने के लिए बाध्य है। यह बैठक तब हुई है जब बांग्लादेश में अगले साल चुनाव और जनमत संग्रह होने वाले हैं, जिससे देश की आंतरिक राजनीतिक स्थिति अस्थिर है। ऐसे में क्षेत्रीय सुरक्षा और द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा का महत्व बढ़ जाता है।

वहीं भारत इस स्थिति को बेहद सावधानी से संभाल रहा है। अभी तक ऐसा कोई संकेत नहीं मिला है कि हसीना को तुरंत प्रत्यर्पित किया जाएगा। भारत ने कहा है कि वह बांग्लादेश में शांति, लोकतंत्र और स्थिरता बनाए रखने के लिए सभी पक्षों के साथ रचनात्मक रूप से जुड़ा रहेगा, लेकिन प्रत्यर्पण पर सीधी टिप्पणी से बचा है।

प्रत्यर्पण संधि के कुछ विशेषज्ञ प्रावधान (जैसे कि अनुच्छेद 6 राजनीतिक अपराध का प्रावधान, और अनुच्छेद 8 - निष्पक्ष सुनवाई का अभाव) का हवाला देते हुए मानते हैं कि भारत के पास प्रत्यर्पण से इनकार करने का अधिकार है, खासकर अगर मामला राजनीतिक रूप से प्रेरित लगे। शेख हसीना के बेटे ने भी प्रत्यर्पण की मांग को गैर-कानूनी बताया है और कहा है कि भारत ने उनकी माँ की जान बचाई है।

लालू के करीबी रामकृपाल यादव को बीजेपी ने नीतीश कैबिनेट में बनाया मंत्री

पटना

बीजेपी के वरिष्ठ नेता रामकृपाल यादव पहली बार दानापुर विधानसभा सीट से चुनाव में जीते हैं। गुरुवार को पटना के गांधी मैदान में रामकृपाल यादव ने मंत्री पद की शपथ ली। बीजेपी ने उन पर भरोसा जताकर दानापुर विधानसभा से टिकट दिया और उन्होंने आरजेडी के बाहुबली नेता रीत लाल यादव को 29,133 वोटों से हराया है। इब पार्टी ने उन्हें मंत्री पद से सम्मानित किया है।

रामकृपाल के लिए यह पहला मौका है जब बिहार सरकार में वह मंत्री बने हैं। इससे पहले वह कभी भी ना विधायक बने थे और ना ही बिहार सरकार में मंत्री रहे थे। रामकृपाल को 2014 में केंद्रीय मंत्री बनाया गया था। इसके पहले वह 1990 से लालू प्रसाद यादव के साथ रहे थे। लालू प्रसाद यादव ने उन्हें विधान परिषद का सदस्य और सांसद बनाया था। लेकिन मौका देखकर रामकृपाल यादव 2014 में बीजेपी के साथ आ गए थे।

रामकृपाल मोदी सरकार में 2014 से 2019 तक दो विभागों के मंत्री रहे हैं। सबसे पहले मोदी सरकार ने उन्हें केंद्र में 9 नवंबर 2014 को पेयजल और स्वच्छता राज्य मंत्री बनाया गया था। 5 जुलाई 2016 को वे केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री बने थे।

मोदी सरकार में वह दो टर्म के लिए पाटलिपुत्र से लोकसभा सांसद रहे। 2024 में मीसा भारती ने उन्हें हराया था। लालू ने उन्हें राज्यसभा भी भेजा था। 8 जुलाई 2010 से 16 मई 2014 तक वे राज्यसभा के सदस्य रहे थे।

संक्षिप्त समाचार

ईडी ने अनिल अंबानी और उनकी कंपनियों से जुड़ी संपत्ति कुर्क की

नई दिल्ली प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रिलायंस समूह के चेयरमैन अनिल अंबानी और उनकी कंपनियों से जुड़ी धनशोधन की जांच के तहत 1,400 करोड़ से अधिक की संपत्तियां कुर्क की हैं। ईडी ने पहले मामले में 7,500 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की थी। सूत्रों ने बताया कि देश के विभिन्न भागों में स्थित संपत्तियों के लिए धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत अनंतिम कुर्की का यह नया आदेश जारी किया गया है। इस मामले पर अभी रिलायंस समूह से प्रतिक्रिया नहीं मिली है।

सबसे ज्यादा बार सीएम की शपथ लेने का रिकॉर्ड नीतीश कुमार के नाम दर्ज

सिक्किम के पूर्व सीएम चामलिंग सबसे लंबे समय तक रहे मुख्यमंत्री

नई दिल्ली बिहार की जनता ने फिर नीतीश कुमार के हाथ में राज्य की बागडोर सौंप दी है। उन्होंने नीतीश को अपना नया सीएम चुन लिया है। गुरुवार को नीतीश कुमार बिहार के सीएम के रूप में 10वीं बार सीएम पद की शपथ ली। बता दें वह इससे पहले 9 बार बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ ले चुके हैं। इसके साथ उन्होंने देश में सबसे ज्यादा बार सीएम पद की शपथ लेने का रिकॉर्ड भी कायम कर लिया है। 10वीं बार सीएम बनने के बावजूद नीतीश कुमार सबसे लंबे समय तक सीएम पद पर रहने वाले मुख्यमंत्री नहीं है। यह रिकॉर्ड सिक्किम के पूर्व सीएम पवन कुमार चामलिंग के नाम है। अगर नीतीश कुमार इस रिकॉर्ड को तोड़ना चाहते हैं, तो उन्होंने अगले 6 सालों तक सीएम पद पर बने रहना होगा। बता दें नीतीश कुमार अब तक 9 बार सीएम पद का कार्यभार संभाल चुके हैं और गुरुवार को 10वीं बार सीएम पद की शपथ ली। वह पहली बार साल 2000 में 7 दिनों के लिए सीएम बने थे। उन्होंने एक सीएम के तौर पर 18 साल से ज्यादा का सफर तय किया है। बिहार के इतिहास में आज तक किसी भी नेता ने इतने लंबे समय तक सीएम का पद नहीं संभाला था। इसके साथ अगर वह अलग 6 सालों तक सीएम पद पर बने रहते हैं, तो वह देश में सबसे ज्यादा लंबे समय तक सीएम पद पर बने रहने का भी रिकॉर्ड अपने नाम कर लेंगे। वहीं तमिलनाडु की पूर्व मुख्यमंत्री जयललिता हैं, जो साल 1991 से लेकर 2016 तक 6 बार राज्य के मुख्यमंत्री पद पर काबिज रहीं। जयललिता, जिन्हें लोग 'अम्मा' के नाम से जानते थे उन्होंने पहली बार 1991 में तमिलनाडु की सबसे कम उम्र की सीएम के तौर पर पद संभाला था। उनका कार्यकाल अधिकारों को सेंट्रलाइज करने और सोशल वेलफेयर प्रोग्राम शुरू करने के लिए खास था। इस सूची में तीसरा नाम है सिक्किम के पूर्व सीएम पवन कुमार चामलिंग का, जिन्होंने 1994 से लेकर 2019 तक 5 बार राज्य के सीएम पद की शपथ ली थी। इसके साथ वह देश में सबसे लंबे समय तक सीएम बने रहने वाले पहले शख्स हैं और अब तक यह रिकॉर्ड उन्हीं के नाम है। एक सीएम के तौर पर उन्होंने 24 साल 165 दिनों तक सीएम के रूप में कार्य किया।

बिहार चुनाव में कई दलों के जीते उम्मीदवारों को 60 हजार से 1.5 लाख तक वोट मिले

पटना बिहार में हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में कई दलों के विजयी उम्मीदवारों को 60 हजार से लेकर 1.5 लाख तक वोट हासिल हुए। निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने यह जानकारी तब दी जब आरोप लग रहे हैं कि बीजेपी के कई शीर्ष उम्मीदवारों को करीब 1.22 लाख वोट मिले। कई राजनीतिक नेताओं और लोगों ने सोशल मीडिया पर इस संयोग की ओर इशारा किया था कि बीजेपी के कई शीर्ष विजयी उम्मीदवारों को 1.22 लाख के आसपास वोट मिले। आरोप लगाए जा रहे थे कि ईसी ने यह तय किया कि बीजेपी उम्मीदवारों को लगभग समान वोट मिलें, जो मोटे तौर पर 1.22 लाख के आसपास रहे। निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि विजयी उम्मीदवारों को अलग-अलग संख्या में वोट मिले। आंकड़ों के मुताबिक बीजेपी के एक और जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के तीन उम्मीदवारों समेत चार कुल प्रत्याशियों को 60,000 से 69,999 के बीच वोट मिले। इसके अलावा 65 विजयी उम्मीदवारों को 90,000 से 99,999 के बीच वोट मिले। आंकड़ों के मुताबिक बीजेपी उम्मीदवार को 1,40,000 से 1,49,999 के बीच वोट मिले हैं।